Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 169
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार,18 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के मालदा में 3,250 | 4 'ग्रीनलैंड पर जो देश बीच में आयेगा उस पर टैरिफ | 7 बिपाशा बसु ने फॉलो किया वायरल '2016'

सीजेआई ने चंदौली में एकीकृत न्यायालय परिसर का किया शिलान्यास व भूमि पूजन

यूपी में न्यायिक व्यवस्था से जुड़े कार्य में देर नहीं लगती: सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में शनिवार को चंदौली में छह जिलों चंदौली, महोबा, अमेठी, शामली, हाथरस व औरैया के एकीकृत न्यायालय परिसर का शिलान्यास व भूमि पूजन किया। सीएम योगी ने मुख्य न्यायाधीश को स्मृति चिह्न प्रदान किया और सभी न्यायमूर्तियों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के सशक्तिकरण के लिए अत्यंत आवश्यक है कि न्यायपालिका भी उतनी ही सशक्त हो। आम आदमी को जितनी सहजता-सरलता से न्याय प्राप्त हो, उतना ही अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर होना भी आवश्यक है। यूपी सरकार के पास न्यायिक व्यवस्था से जुड़े कोई भी कार्य आते हैं तो उसे पूरा होने में देर नहीं लगती। हमारा मानना है कि सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करना है तो न्यायिक सुविधा को सुदृढ़ करने के लिए कोई कोताही नहीं बरतनी चाहिए और यूपी इसे लेकर बेहतरीन दिशा में आगे बढ़ चुका है। यूपी की दृष्टि से आज का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज न्यायपालिका के इतिहास के नए पृष्ठ का सृजन हो रहा है। मुख्यमंत्री ने उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की पुरानी बातों का जिक्र किया और बताया कि उन्होंने अपनी एक यात्रा के दौरान उल्लेख किया था कि न्याय सहजता के साथ प्रत्येक नागरिक को उपलब्ध हो सके, इसके लिए आवश्यक है कि कुछ ऐसे मॉडल बनने चाहिए, जो इंटीग्रेटेड एक छत के नीचे हों। मुख्य न्यायाधीश की प्रेरणा से यूपी के छह जनपदों चंदौली, महोबा, अमेठी, शामली, हाथरस व औरैया में सुविधा उपलब्ध हो रही है। अगले कुछ महीने में चार अन्य जनपदों में यह सुविधा उपलब्ध होगी। भारत के न्यायिक इतिहास में यह पृष्ठ नए स्वर्ण अक्षर के रूप में जुड़ेगा। यूपी में शुरूआत मुख्य न्यायमूर्ति के करकमलों से हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में आने के बाद श्ईज ऑफ डूइंग बिजनेसश व श्ईज ऑफ लिविंगश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तमाम सुधार किए। इंफ्रास्ट्रक्चर को अत्याधुनिक बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। पीएम से हमें भी प्रेरणा मिली। प्रयागराज के एक कार्यक्रम में वर्तमान मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि कोर्ट कॉम्प्लेक्स भी इंटीग्रेटेड होना चाहिए, इस पर हम लोगों ने यूपी के अंदर कार्य प्रारंभ किया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में बिंदल ने सकारात्मक सहयोग किया और यूपी सरकार ने एक साथ 10 जनपदों में जहां स्वयं के जनपद न्यायालय नहीं थे इंटीग्रेटेड कोर्ट कॉम्प्लेक्स के लिए स्वीकृति दी। सीएम ने कहा कि पहले चरण में चंदौली समेत छह जनपदों के लिए धनराशि अवमुक्त हो गई है। डिजाइन अप्रूव होने के साथ ही सारी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन पहुंचे देहरादून, मुख्यमंत्री धामी और राज्यपाल ने किया स्वागत

देहरादून , (जीएनएस)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन का जौलीग्रांट पहुंचने पर पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इसके बाद उपराष्ट्रपति एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से देहरादून रवाना हो गए। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन के देवभूमि उत्तराखंड आगमन पर जौलीग्रांट हवाई अड्डे में स्वागत किया। देहरादून एयरपोर्ट पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के प्रस्तावित दौरे को लेकर पुलिस, प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने एक दिन पहले खूब पसीना बहाया। उपराष्ट्रपति आज शनिवार सुबह विशेष विमान से दिल्ली से देहरादून एयरपोर्ट पहुंचे। देहरादून एयरपोर्ट पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारियों की ओर से उनका पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इसके बाद उपराष्ट्रपति एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से देहरादून रवाना हो गए। देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद उपराष्ट्रपति दोपहर करीब एक बजे सड़क मार्ग से वापस एयरपोर्ट पहुंचेंगे और दिल्ली के लिए रवाना होंगे। एयरपोर्ट पर रिहर्सल के दौरान एयरपोर्ट से देहरादून तक फ्लीट दौड़ाकर तैयारियों को पुख्ता किया गया। एसडीआरएफ सेनानायक अर्पण यदुवंशी, एसपी देहात जया बलूनी, सीओ विवेक कुटियाल, कोतवाल प्रदीप राणा आदि मौजूद रहे।

कर्तव्य पथ पर दिखेगी युद्ध की व्यूह रचना, पहली बार मूक योद्धाओं का दस्ता होगा शामिल

नईदिल्ली (एजेंसी)। इस वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय सेना का एक नया और भव्य स्वरूप देखने को मिलेगा। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह के अनुसार, पहली बार सैन्य टुकड़ियां कर्तव्य पथ पर वास्तविक युद्ध की व्यूह रचना पेश करेंगी। इसमें सैनिक और हथियार किसी युद्धभूमि की तरह चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ेंगे, जो दर्शकों को सेना की वास्तविक युद्ध शैली से रूबरू कराएगा। परेड में सेना की भैरव बटालियन और लद्दाख स्काउट्स सहित कुल 18 मार्चिंग दस्ते और 13 बैंड हिस्सा लेंगे। आसमान में राफेल, सुखोई-30 और मिग-29 जैसे लड़ाकू विमान कौशल दिखाएंगे। साथ ही पी8आई गश्ती विमान और प्रचंड जैसे हेलिकॉप्टर भी गर्जना करेंगे। इस बार परेड में पहली बार मूक योद्धाओं का बड़ा दस्ता शामिल होगा। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान देने वाले 2 बैक्ट्रियन ऊंट, 4 जांस्कर पोनी, 4 शिकारी पक्षी (रैप्टर्स) और स्वदेशी नस्ल के कुत्तों सहित कुल 26 पशु हिस्सा लेंगे। 30 झांकियां दिखेंगी, मेट्रो सुबह तीन बजे से चलेगी परेड की मुख्य थीम वंदे मातरम होगी। छह राज्यों और विभागों की झांकियां इसी विषय पर आधारित होंगी। 19 से 26 जनवरी तक देश के 126 शहरों में 234 स्थानों पर सैन्य बैंड की प्रस्तुतियां होंगी।

तीन दिन के गुजरात दौरे पर केजरीवाल, बूथ स्तर के 20 हजार वॉलिंटियर्स को दिलाएंगे शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल कार्यकताओं में नया जोश भरने और संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने के उद्देश्य से 17 से 19 जनवरी तक तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे। यह जानकारी आम आदमी पार्टी के गुजरात अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने दी। इसुदान गढ़वी ने बताया कि यह दौरा केवल औपचारिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है, बल्कि गुजरात में आम आदमी पार्टी के लगातार मजबूत होते संगठन, बढ़ते जनसमर्थन और बूथ स्तर पर तैयार हो रही नई राजनीतिक ताकत को दशार्ता है। दौरे के दौरान अरविंद केजरीवाल अहमदाबाद और वडोदरा में पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलनों में शामिल होंगे और करीब 20 हजार बूथ लेवल वॉलिंटियर्स को शपथ दिलाएंगे। 18 जनवरी को अहमदाबाद में कार्यक्रम उन्होंने बताया कि 18 जनवरी को अहमदाबाद में सेंट्रल जोन का बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

मॉरीशस रूट पर निवेश की तस्वीर बदली, वैश्विक निवेशक सतर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में विदेशी निवेश के लिए दशकों से इस्तेमाल हो रहे मॉरीशस रूट पर सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले ने वैश्विक निवेश समुदाय में हलचल पैदा कर दी है। अदालत ने अमेरिकी निवेश फर्म टाइगर ग्लोबल के खिलाफ निर्णय सुनाते हुए स्पष्ट किया कि केवल कर बचाने के उद्देश्य से बनाए गए कॉरपोरेट ढांचों को अब कर संधियों के तहत संरक्षण नहीं मिलेगा। इस फैसले को भारत की कर नीति में ऐसा मोड़ माना जा रहा है, जो भविष्य में विलय-अधिग्रहण और विदेशी निवेश की पूरी संरचना को प्रभावित कर सकता है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को जारी अपने एक आदेश में 2018 में टाइगर ग्लोबल द्वारा फिलपकार्ट में अपनी 1.6 अरब डॉलर की हिस्सेदारी वॉलमार्ट को बेचने के सौदे को कर योग्य ठहराया। अदालत ने कहा कि टाइगर ग्लोबल ने मॉरीशस स्थित अपनी इकाइयों का इस्तेमाल केवल कर लाभ उठाने के लिए किया।

'समग्र स्वास्थ्य विषय पर चर्चा...',

गुड हेल्थ के लिए तन... मन और वातावरण तीनों जरूरी:अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा मुखिया अखिलेश यादव दो दिवसीय दौरे पर भुवनेश्वर पहुंचे हैं। यहां उन्होंने शनिवार को सपा के विजन इंडिया कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान सपा की नीतियों, एजेंडे पर खुलकर बात की। भाजपा सरकार की कमियों को गिनाया। इस मौके पर घोसी से सपा सांसद राजीव राय और यूपी के पूर्व चीफ सेक्रेटरी आलोक रंजन मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत सपा मुखिया अखिलेश यादव को पुष्पगुच्छ भेंट करने के उपरांत हुई। चर्चा 'होलिस्टिक हेल्थ यानी समग्र स्वास्थ्य' विषय पर हुई। इस मौके पर सपा मुखिया ने कहा कि तन, मन और वातावरण जब तीनों अच्छा होगा, तब एक अच्छा स्वास्थ्य मिलेगा। आज देश में स्वास्थ्य सेवाएं 30 फीसदी से ज्यादा ठीक नहीं हैं। यूपी की स्थिति तो और ही अलग होगी। आज अस्पतालों में इमरजेंसी सेवाएं खुद इमरजेंसी में हैं। लोगों को मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा सपा मुखिया ने आगे कहा कि सीएचसी, पीएचसी में पर्याप्त स्टाफ नहीं है। पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाएं नहीं है। इंडस्ट्रियल वेस्ट को ठीक से नष्ट करने का प्रावधान नहीं है। कई जगहों पर यह वेस्ट खेतों में जाता हैं। इसकी वजह से लोग बीमार पड़ रहे हैं। वहीं, इस पर स्वास्थ्य विभाग कहता है, यह उसका काम नहीं है। इस पर विचार होना चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण यह है कि हम किस व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़े हैं, यह भी हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालता है। लोगों को अकेले न रहकर परिवार के साथ रहना चाहिए। यदि किसी को मानसिक परेशानी है तो बिना संकोच डॉक्टर के पास जाना चाहिए। परिवारीजनों को उनका ख्याल रखना चाहिए। मॉडर्न मेडिकल के साथ आयुष पर भी बात होनी चाहिए। नवीन पटनायक से मिले अखिलेश इससे पहले शुक्रवार को सपा मुखिया ने ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से शिष्टाचार भेंट की।

राहुल गांधी ने इंदौर के दूषित पेयजल संकट के पीड़ितों से की मुलाकात

कहा- मैं इनके साथ खड़ा हूं, सरकार को लेनी होगी जिम्मेदारी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पेयजल से उल्टी-दस्त के प्रकोप के कारण कई लोगों की मौत के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार को देश के सबसे स्वच्छ शहर में पहुंचे और इस प्रकोप के कारण अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात की। राहुल गांधी ने निजी क्षेत्र के 'बॉम्बे हॉस्पिटल' में भर्ती चार मरीजों से मिलकर उनके हाल जाने और उनके परिजनों से भी मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार भी थे। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गांधी ने भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त के प्रकोप के दौरान दम तोड़ने वाली गीता ध्रुवकर (64) और जीवनलाल बरेड़े (80) के घर जाकर उनके शोकसंतप्त परिजनों को सांत्वना दी। इसके बाद वह एक स्थान पर पीड़ित परिवारों से सामूहिक तौर पर मिले। राहुल गांधी के दौरे के मद्देनजर भागीरथपुरा में पुलिस ने सुरक्षा के तगड़े इंतजाम किए थे और जगह-जगह बैरिकेड लगाए गए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, ...अलग-अलग शहरों में यही हो रहा है। जो सरकार की जिम्मेदारी है- साफ पानी, कम प्रदुषण, यह सब जिम्मेदारी सरकार नहीं निभा रही। यहां जिन लोगों ने यह कराया है, सरकार में कोई तो जिम्मेदार होगा तो कोई न कोई जवाबदेही सरकार को लेनी चाहिए और इन्हें जो मुआवजा मिलना है, यह जो सरकार की लापरवाही से हुआ है, उसके लिए इनकी पूरी मदद करनी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा, इन्होंने हमें बताया कि यह टंकी प्रतीक है कि आज भी यहां साफ पानी नहीं है, बैंडेड लगा दिया है जो कुछ दिनों तक चलेगा लेकिन जैसे ही सबका ध्यान हटेगा वापस वही हालत हो जाएगी। ये लोग कह रहें कि यहां व्यवस्थित रूप से काम किया जाए और इन्हें साफ पानी दिया जाए, यह कोई गलत बात नहीं है, इनका समर्थन करने मैं आया हूं। मैं विपक्ष का नेता हूं, यहां लोगों की मृत्यु हुई है, मैं इनका मुद्दा उठाने आया हूं। यह मेरा काम है, मेरी जिम्मेदारी बनती है हमारे देश में लोगों को साफ पानी नहीं मिल रहा, मैं इनके साथ खड़ा रहने यहां आया हूं। भागीरथपुरा में दूषित पेयजल से लोगों के बीमार पड़ने का सिलसिला दिसंबर के आखिर में शुरू हुआ था।

पुणे-पिंपरी चुनाव में हार के बाद अजित पवार ने बदले सुर

कहा- हार पर चर्चा होगी, भाजपा को दी बधाई

पुणे (एजेंसी)। अजित पवार ने पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ निकाय चुनावों में भाजपा की जीत पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कार्यकताओं से निराश न होने और हार की समीक्षा करने को कहा। इसके साथ ही पवार ने स्पष्ट किया कि शरद पवार से उनकी मुलाकात एक प्रदर्शनी के दौरान हुई थी, पार्टी विलय के लिए नहीं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शनिवार को भाजपा को जीत की बधाई दी। पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम चुनावों में भाजपा ने अजित पवार की एनसीपी और एनसीपी (एसपी) गठबंधन को हरा दिया है। इन चुनावों के नतीजे एक दिन पहले ही आए थे। क्या बोले उपमुख्यमंत्री पवार? चुनाव प्रचार के दौरान अजित पवार ने भाजपा पर काफी तीखे हमले किए थे। उन्होंने भाजपा पर भ्रष्टाचार और विकास रोकने के आरोप लगाए थे। जवाब में भाजपा ने भी उन्हें अपने गिरेबान में झांकने की सलाह दी थी। लेकिन शनिवार को मीडिया से बात करते हुए पवार के सुर बदले हुए थे। पवार ने कहा कि मतदाता सबसे अहम हैं। हार के कारणों पर होगी चर्चा भाजपा ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में यह चुनाव लड़ा और बड़ी सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी हार के कारणों पर चर्चा करेगी। कार्यकताओं को निराश होने के बजाय काम करते रहना चाहिए। विपक्ष के ईवीएम पर सवाल उठाने को लेकर पवार ने कहा कि वे इस पर कुछ नहीं बोलेंगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हारने पर आरोप लगाना स्वाभाविक है, लेकिन जीत के बाद कोई सवाल नहीं उठाता। भाजपा को दी बधाई उन्होंने कहा, मतदाता महत्वपूर्ण हैं, और हर राजनीतिक पार्टी को अपने प्रयास जारी रखने चाहिए।

बीएमसी में हमारी पार्टी का महापौर सपना, ईश्वर की कृपा रही तो ऐसा ही होगा :उद्धव

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव के नतीजों की घोषणा के बाद सबकी नजरें इस बात पर हैं कि हजारों करोड़ रुपये के सालाना बजट वाली महानगरपालिका- बीएमसी का अगला महापौर कौन बनेगा? इस सवाल पर पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि बीएमसी में हमारी पार्टी का महापौर बने, ये सपना है। अगर ईश्वर की कृपा रही तो ऐसा जरूर होगा। महाराष्ट्र के 29 नगर निकायों में चुनाव संपन्न कराए जा चुके हैं। नतीजों की घोषणा के बाद अब सबकी नजरें बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अगले मेयर यानी महापौर पर टिकी हैं। इसी बीच पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि बीएमसी में उनकी पार्टी- शिवसेना (यूबीटी) का महापौर बने, यह सपना है और अगर ईश्वर की कृपा हुई तो ऐसा जरूर होगा। उद्धव का आरोप- भाजपा मुंबई को गिरवी रखने की ताक में है शुक्रवार को निकाय चुनाव के नतीजों की घोषणा होने के बाद उद्धव ने आज पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते समय कहा, भाजपा मुंबई को गिरवी रखना चाहती है, उसने धोखे से चुनाव जीता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मराठी मानुष इस पाप को माफ नहीं करेंगे।

ईरान और गाजा में शांति बहाली को लेकर शशि थरूर ने जताई राहत, कहा- सकारात्मक संकेत से जागी आशा

नईदिल्ली (एजेंसी)। ईरान और गाजा में जारी संकट के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने उम्मीद की कि हालात धीरे-धीरे शांत हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि इरान में पहले घोषित 800 से अधिक फांसियों को रद्द कर दिया गया है और ट्रंप ने भी किसी कार्रवाई को फिलहाल रोक रखा है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ईरान और गाजा में बढ़ते तनाव को लेकर हाल की स्थिति पर अपनी चिंता और उम्मीद व्यक्त की। थरूर ने कहा कि हाल ही में दो सकारात्मक संकेत सामने आए हैं, जो आशा जगाते हैं। उन्होंने बताया कि ईरान में पहले से घोषित 800 से अधिक फांसी की सजा को अधिकारियों ने रद्द कर दिया है। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिलहाल किसी भी सैन्य हमले को रोकने का निर्णय लिया है। थरूर ने कहा कुछ हद तक यह एक सकारात्मक संकेत है कि तनाव कम हो सकता है। गल्फ देशों में भी भू-राजनीतिक प्रभाव को लेकर कुछ चिंता है, जो स्थिति को नियंत्रण से बाहर होने से रोक सकती है। मेरी आंतरिक भावना है कि हम शायद एक मोड़ पर आ गए हैं, लेकिन हमारे पास 100% सटीक जानकारी नहीं है। गाजा की स्थिति पर भी जताई चिंता शशि थरूर ने गाजा की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि गाजा में शांति अब एक दूसरे चरण में प्रवेश कर चुकी है, लेकिन हमले अभी भी जारी हैं और लोग हर दिन मारे जा रहे हैं।

जीत के अगले दिन ही महायुति सरकार ने लगाई फैसलों की झड़ी, कैबिनेट ने इन परियोजनाओं को दी मंजूरी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में निकाय चुनावों में महायुति की बड़ी जीत के अगले ही दिन राज्य सरकार ने तेज रफ्तार में कई फैसले लिए। सरकार ने साफ संकेत दिया है कि अब फोकस विकास और सुशासन पर रहेगा। मुंबई में हुई कैबिनेट बैठक में बुनियादी ढांचे, शहरी परिवहन, कृषि, सिंचाई और आवास से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इस बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री फडणवीस ने की। कैबिनेट ने मुंबई के अटल बिहारी वाजपेयी शिवड़ी-न्हावा शेवा अटल सेतु पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए टोल में छूट को एक और साल के लिए बढ़ा दिया। इससे रोजाना यात्रा करने वाले ईवी उपयोगकताओं को सीधी राहत मिलेगी। इसके साथ ही मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट-2 के लिए संशोधित लागत और राज्य सरकार के हिस्से को भी मंजूरी दी गई, जिससे उपनगरीय रेल और शहरी यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकेगा। धार्मिक, प्रशासनिक और परिवहन से जुड़े फैसले क्या रहे? नवी मुंबई के उलवे में तिरुपति देवस्थानम को पद्मावती देवी मंदिर निर्माण के लिए दी गई जमीन पर प्रीमियम माफ करने का फैसला भी कैबिनेट ने लिया। इसके अलावा अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय के 1,901 पदों के पुनर्गठन को मंजूरी दी गई और इसका नाम बदलकर आयुक्तालय करने का निर्णय लिया गया। जिला योजना समितियों और संभागीय आयुक्त कार्यालयों के लिए नए स्टाफ पैटर्न को भी स्वीकृति दी गई। कृषि, सिंचाई और आवास को लेकर क्या बड़े कदम उठे? ठाणे जिले के बापगांव में फल-सब्जियों के लिए मल्टी-मॉडल हब और टर्मिनल मार्केट को मंजूरी। करीब 7.96 हेक्टेयर जमीन राज्य कृषि विपणन निगम को दी जाएगी। यवतमाल जिले की बेंबला नदी परियोजना को 4,775 करोड़ रुपये की मंजूरी।

प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के मालदा में 3,250 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई रेल और सड़क बुनियादी परियोजनाओं का उद्घाटन किया और नींव रखी

गोरखपुरः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के मालदा में 3,250 करोड़ रुपये की लागत वाली कई रेल और सड़क बुनियादी परियोजनाओं का उद्घाटन किया और नींव रखी। इनका उद्देश्य पश्चिम बंगाल और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में संपर्क को मजबूत करना और विकास को गति देना है। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि आज मालदा से पश्चिम बंगाल की प्रगति को गति देने के अभियान को और गति मिली है। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल के विकास से संबंधित कई परियोजनाओं का अभी-अभी उद्घाटन और लोकार्पण किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लिए नई रेल सेवाएं शुरू की गई हैं जिनसे लोगों की यात्रा आसान होगी और व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने जोर दिया कि यहां स्थापित नई रेल रखरखाव सुविधाएं बंगाल के युवाओं के लिए नए अवसर प्रदान करेंगी। मोदी ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि

बंगाल की पवित्र भूमि से भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। उन्होंने बताया कि आज से भारत में वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें शुरू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन नागरिकों की लंबी यात्राओं को अधिक आरामदायक और शानदार बनाएगी। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि विकसित भारत में ट्रेनों का स्वरूप इस वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में स्पष्ट रूप से झलकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ देर पहले उन्होंने मालदा स्टेशन पर कुछ यात्रियों से बातचीत की और सभी ने कहा कि इस ट्रेन में यात्रा करना एक असाधारण अनुभव था। उन्होंने याद दिलाया कि पहले लोग विदेशी ट्रेनों की तस्वीरें देखकर भारत में ऐसी ट्रेनों की कामना करते थे और आज उनका यह सपना साकार हो रहा है। श्री मोदी ने आगे कहा कि हाल के दिनों में विदेशी पर्यटक भारतीय रेलवे में हो रहे क्रांतिकारी बदलावों के वीडियो बना रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह वंदे भारत ट्रेन 'मेड इन इंडिया' है जो भारतीयों की मेहनत और समर्पण से बनी है। श्री मोदी ने कहा कि देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मां काली की भूमि को मां कामाख्या की भूमि से जोड़ रही है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में इस आधुनिक ट्रेन का पूरे देश में विस्तार होगा और उन्होंने इस आधुनिक स्लीपर ट्रेन के लिए बंगाल, असम और पूरे देश को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारतीय रेलवे विद्युतीकरण और स्टेशनों के आधुनिकीकरण के साथ परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने बताया कि आज पश्चिम बंगाल सहित देश भर में 150 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके साथ ही आधुनिक और उच्च गति वाली ट्रेनों का एक संपूर्ण नेटवर्क विकसित किया जा रहा है, जिससे बंगाल के गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को काफी लाभ मिल रहा है। उन्होंने घोषणा की कि बंगाल को चार और आधुनिक अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें मिली हैं झ न?यू जलपाईगुड़ी-नागरकोइल अमृत भारत एक्सप्रेस, न?यू जलपाईगुड़ी-तिरुचिरापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस, अलीपुरद्वार-बेंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस और अलीपुरद्वार-मुंबई अमृत भारत एक्सप्रेस। उन्होंने जोर दिया कि ये ट्रेनें बंगाल, विशेष रूप से उत्तरी बंगाल, और दक्षिण और पश्चिमी भारत के बीच संपर्क को मजबूत करेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों से गंगासागर, दक्षिणेश्वर और कालीघाट जाने वाले तीर्थयात्रियों के साथ-साथ तमिलनाडु और महाराष्ट्र जाने वाले यात्रियों की यात्रा भी आसान हो जाएगी। श्री मोदी ने जोर देते हुए कहा कि भारतीय रेलवे न केवल आधुनिक बन रहा है बल्कि आत्मनिर्भर भी हो रहा है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत के रेल इंजन, कोच और मेट्रो कोच भारत की प्रौद्योगिकी के प्रतीक के रूप में उभर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत अमेरिका और यूरोप से अधिक लोकोमोटिव का निर्माण कर रहा है और कई देशों को यात्री ट्रेन और मेट्रो ट्रेन कोच निर्यात करता है जिससे देश की अर्थव्यवस्था को काफी लाभ होता है और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। श्री मोदी ने अपने संबोधन का समापन इस बात पर जोर देते हुए किया कि भारत को जोड़ना एक प्राथमिकता है और दूरियों को कम करना एक मिशन है जो आज के कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल श्री सी.वी. आनंद बोस, केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, श्री शांतनु ठाकुर, श्री सुकांत मजूमदार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

पेंट्रीकार के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुरः रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु 05950 गोमतीनगर-डिब्रूगढ़ विशेष गाड़ी का संचलन 20 जनवरी,2026 को एकल यात्रा हेतु निम्नवत किया जायेगा। 05950 गोमतीनगर-डिब्रूगढ़ विशेष गाड़ी 20 जनवरी,2026 को गोमतीनगर से 13.00 बजे प्रस्थान कर अयोध्या कैंट से 15.05 बजे, अयोध्या धाम से 15.25 बजे, मनकापुर से 16.22 बजे, गोरखपुर 18.20 बजे, देवरिया सदर से 19.12 बजे, सीवान से 20.27 बजे, छपरा से 21.20 बजे, हाजीपुर से 22.25 बजे, दूसरे दिन बरौनी से 01.10 बजे, बेगूसराय से 01.35 बजे, खगड़िया से 02.05 बजे, कटिहार से 04.30 बजे, न्यू जलपाईगुडी से 07.40 बजे, न्यू बंगाईगांव से 11.35 बजे, गुवाहाटी से 14.40 बजे, लामडिंग से 17.35 बजे, डिमापुर से 18.50 बजे, तीसरे दिन शिमलगुड़ी से 01.20 बजे छूटकर डिब्रूगढ़ 03.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एल.एस.एल.आर.डी. के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 11, शयनयान श्रेणी के 08 तथा पेंट्रीकार के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

शिवपति पीजी कालेज शोहरतगढ़ में डिजिटल युग में नशा विषय पर संगोष्ठी आयोजित

सिद्धार्थनगर। शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ में राष्ट्रीय सेवा योजना

की स्वामी विवेकानंद एवं रानी लक्ष्मीबाई इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में ह्लडिजिटल युग में नशाः चुनौतियाँ और समाधानह्व विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शिवपति महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने जीवन को सुगम बनाया है लेकिन इसके दुरुपयोग से नई प्रकार की लतें भी जन्म ले रही हैं।उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग, सोशल मीडिया, वेब सीरीज और रील्स की बढ़ती लत को आधुनिक नशे का रूप बताते हुए कहा कि इसका सीधा प्रभाव युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य,एकाग्रता,सामाजिक संबंधों और शारीरिक गतिविधियों पर पड़ रहा है। यह नशा व्यक्ति को धीरे-धीरे आभासी दुनिया में कैद कर देता है जिससे आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सामाजिक सहभागिता में कमी आती है। प्रोफेसर अरविन्द कुमार सिंह ने समाधान के रूप में डिजिटल डिटॉक्स, समय प्रबंधन, परिवार व समाज के साथ संवाद तथा रचनात्मक गतिविधियों में भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अभिभावकों, शिक्षकों और समाज को मिलकर युवाओं को डिजिटल संतुलन की दिशा में प्रेरित करना होगा। साथ ही शैक्षणिक संस्थानों में डिजिटल साक्षरता के साथ डिजिटल नैतिकता की शिक्षा देने की आवश्यकता पर भी बल दिया। इस दौरान संगोष्ठी में मीडिया प्रभारी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, मेजर मुकेश कुमार, प्रो. सुशील कुमार, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. अखिलेश शर्मा, डॉ. राम किशोर सिंह एवं डॉ. प्रवीण कुमार सहित अनेक शिक्षकगण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रानी लक्ष्मीबाई इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ए. के. सिंह ने किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार साझा किए और डिजिटल नशे से बचाव के उपायों पर सार्थक चर्चा की।

पुलिस ने पम्पलेट वितरित कर महिलाओ व बालिकाओं को किया जागरुक

सिद्धार्थनगरः जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिणी यादव जी के कुशल नेतृत्व में व थानाध्यक्ष मीरा चौहान द्वारा मिशन शक्ति व जन चौपाल मे नए कानून के

अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र जोगिया उदयपुर के ग्राम जगमोहनी में महिलाओं /बच्चियों को एकत्रित कर चौपाल लगाकर बालिकाओं/ महिलाओं को नए कानून के बारे मे बताते हुवे मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी दिया गया व जागरूक किया गया जैसे कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत बहु बेटी सम्मेलन आयोजित किया गया तथा उनके अधिकार के बारे में बताया गया व उनको जागरूक किया गया जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर- 112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 108, एंबुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन 102, स्वास्थ्य सेवा 181 वीमेन हेल्पलाइन 101अग्निशमन सेवा के बारे में जानकारी दी गई ।

डीएम और एसएसपी की अध्यक्षता में तहसील समाधान दिवस का आयोजन

सिद्धार्थनगर : जिले में शासन के मंशा के अनुरूप प्रत्येक माह के प्रथम एवं तीसरे शनिवार को सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। तहसील इटवा में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. की अध्यक्षता एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन की उपस्थिति में तहसील समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। तहसील इटवा में आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन., उपजिलाधिकारी इटवा कुणाल तथा पुलिस विभाग से सम्बंधित शिकायतों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन द्वारा किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. द्वारा तहसील समाधान दिवस में पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के आख्या का अवलोकन किया गया। अवलोकन के पश्चात जिलाधिकारी द्वारा तत्काल जिला स्तरीय टीम बनाकर मौके का जांच

कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस इटवा में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर कार्यवाही किया जाये। जिलाधिकारी ने कानूनगो एवं लेखपालों को निर्देश दिया कि भूमि संपत्ति रजिस्टर एवं भूमि विवाद रजिस्टर अवश्य बना ले। किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नही होना चाहिए यदि किसी भी विभाग का प्रकरण लम्बित पाया जायेगा तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर कुल 52 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व-22, पुलिस विभाग से सम्बन्धित-09, विकास-06, विधुत-05, लोक निर्माण विभाग-2, अन्य-08 प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत हुए। जिलाधिकारी द्वारा राजस्व के 07 प्रार्थना-पत्रों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। तहसील दिवस में प्राप्त शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत-प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस कार्यक्रम के इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, उप कृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी रविशंकर पाण्डेय, जिला समाज कल्याण अधिकारी महिपाल सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह, तहसीलदार इटवा, तहसील इटवा क्षेत्र के अन्तर्गत समस्त थानाध्यक्ष एवं खण्ड विकास अधिकारी तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस व एसएसबी को मिली बड़ी सफलता एक गांजा तस्कर को किया गिरफ्तार भेजा जेल

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में, अपराध एवं अपराधियों, तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत, अपर

पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के कुशल पर्यवेक्षण में, विश्वजीत सौरयान सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में दिनेश कुमार सरोज थानाध्यक्ष लोटन के नेतृत्व में थाना लोटन पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम द्वारा थानाक्षेत्र में रोकथाम अपराध जुर्म रोकथाम तश्करी मे मामूर थे कि मुखविर खास द्वारा सूचना मिली कि होरीलाल पुत्र गिरीश चन्द्र निवासी सिसहनिया थाना बृजमनगंज जनपद महराजगंज जो सिकरी से भरमी की ओर मोटरसाइकिल से आ रहा है और उसकी मोटर साइकिल की डिग्गी मे गांजा रखा है । संयुक्त टीम द्वारा पचमा पुलिस के पास मोटरसाइकिल सवार को रोकने का इशारा किया तो वह पीछे मुडकर भागने का प्रयास करने लगा तो टीम द्वारा तत्परता से मोटरसाइकिल सवार को पकड लिया गया तथा उसकी मोटरसाइकिल की डिग्गी से अवैध गाजा एक किलो चार सौ ग्राम बरामद हुआ ।उप निरीक्षक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, वकील अहमद,निरीक्षक सा0 खुशीलाल राय एसएसबी हे0का0 मोहम्मद खुर्शीद, का0 सौरभ सिंह ,0सा0 मोहम्मद जाहिद, आ0सा0 पवन यादव, आ0सा0 लोकेश कुमार एसएसबी टीम ने गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना लोटन पर मु0अ0सं0- 2/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत करते हुए अभियुक्तो को न्यायालय भेजा जा रहा है।

शांति भंग के आरोप में पुलिस ने तीन अभियुक्तों को भेजा जेल

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत, प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन, मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ के कुशल पर्यवेक्षण में राजेश कुमार गुप्ता प्रभारी निरीक्षक चिल्हिया के नेतृत्व में

थाना चिल्हिया पुलिस द्वारा वाद सं0 4430/2017 धारा 147/149/323/504/506/342/325 भा0द0वि0 से संबन्धित कृष्ण कुमार ,विजय कुमार ,राम उजागिर तीन एक ही गांव कटया के निवासी को नफर वारण्टी को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय भेजा।

शिवपति पीजी कालेज शोहरतगढ़ में डिजिटल युग में नशा विषय पर संगोष्ठी आयोजित

सिद्धार्थनगरः जिले के शोहरतगढ़ में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वामी विवेकानंद एवं रानी लक्ष्मीबाई इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में डिजिटल युग में नशाः चुनौतियाँ और समाधान विषयक संगोष्ठी का आयोजन

किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शिवपति महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने जीवन को सुगम बनाया है लेकिन इसके दुरुपयोग से नई प्रकार की लतें भी जन्म ले रही हैं।उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग, सोशल मीडिया, वेब सीरीज और रील्स की बढ़ती लत को आधुनिक नशे का रूप बताते हुए कहा कि इसका सीधा प्रभाव युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य,एकाग्रता,सामाजिक संबंधों और शारीरिक गतिविधियों पर पड़ रहा है। यह नशा व्यक्ति को धीरे-धीरे आभासी दुनिया में कैद कर देता है जिससे आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सामाजिक सहभागिता में कमी आती है। प्रोफेसर अरविन्द कुमार सिंह ने समाधान के रूप में डिजिटल डिटॉक्स, समय प्रबंधन, परिवार व समाज के साथ संवाद तथा रचनात्मक गतिविधियों में भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अभिभावकों, शिक्षकों और समाज को मिलकर युवाओं को डिजिटल संतुलन की दिशा में प्रेरित करना होगा। साथ ही शैक्षणिक संस्थानों में डिजिटल साक्षरता के साथ डिजिटल नैतिकता की शिक्षा देने की आवश्यकता पर भी बल दिया। इस दौरान संगोष्ठी में मीडिया प्रभारी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, मेजर मुकेश कुमार, प्रो. सुशील कुमार, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. अखिलेश शर्मा, डॉ. राम किशोर सिंह एवं डॉ. प्रवीण कुमार सहित अनेक शिक्षकगण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रानी लक्ष्मीबाई इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ए. के. सिंह ने किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार साझा किए और डिजिटल नशे से बचाव के उपायों पर सार्थक चर्चा की।

एक माह तक चलने वाले माघ मेले का हुआ उद्घाटन

सिद्धार्थनगर जिले के बांसी नगर पालिका स्थित कस्बे मे मौनी अमावस्या नहान पर राप्ती नदी तट पर लगने वाले मेले का शुभारंभ अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव, एस डी एम निखिल चक्रवर्ती , सीओ रोहिणी यादव और नपा अध्यक्ष चमन आरा राईनी ने शनिवार को मेला के मुख्य द्वार पर विधि विधान पूर्वक पूजन कर और फीता काटकर किया। इसके बाद अतिथियों ने

मेला मैदान के मध्य में लगे मेला संस्थापक पंडित राजेंद्र नाथ त्रिपाठी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और मेला का ध्वज फहराया।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव ने कहा कि मेले का सफल आयोजन और भव्यता को बरकरार रखने का निर्देश दिया गया है। सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने की पर्याप्त व्यवस्था किया गया है। नगर पालिका अध्यक्ष चमन आरा राईनी ने कहा कि मेले में आने वाले लोगों को किसी तरह की असुविधा न हो इसका पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने लोगो से अपील किया कि मेले को सजाने और संवारने में सहयोग करें।अधिशाषी अधिकारी जय प्रकाश सिंह यादव , नायब तहसीलदार चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, माधुर्य यादव, कोतवाल मृत्युंजय पाठक, कवि डा ज्ञानेंद्र द्विवेदी दीपक, अतुल चंद्र त्रिपाठी,कपिल देव, सभासद अकरम अली, बुद्धिराम प्रजापति , बजरंगी वर्मा, नीलेश निषाद,ध्रुव चंद्र, शाकिर अली, शकील खान , अरुण गुप्ता , मनोज यादव, श्याम बाबू, रुस्तम राईनी , दीपक चौधरी सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पुलिस ने नए कानून तथा साइबर अपराध सुरक्षा के बारे में जागरुक किया

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा ₹महिला सशक्तिकरण, एंटी रोमियो व महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान₹ के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व मयंक द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक

नवीन कुमार सिंह थाना शोहरतगढ़ के कुशल नेतृत्व में थाना शोहरतगढ़ मिशन शक्ति टीम द्वारा थाना क्षेत्र के डॉ0 शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ में जाकर छात्राओं को महिला सम्बन्धी अपराध, साइबर अपराध सुरक्षा व नये कानून के बारे में जागरुक किया गया तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे बालिकाओं को महिला सम्वन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी विभिन्न हेल्पलाइन नंबर- 112, पुलिस आपातकालीन सेवा, 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन, 1076, माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 108, एंबुलेंस सेवा, 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन, 102, स्वास्थ्य सेवा के बारे में जानकारी दी गई ।

शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन तथा पुनर्निधारण अवधि में निम्नवत विस्तार किया गया है

गोरखपुर,: स्टेशन पुनर्विकास के अन्तर्गत लखनऊ जं0 पर कॉनकोर्स के निर्माण हेतु प्लेटफार्म संख्या-2 एवं 3 पर किये जा रहे इंजीनियरिंग कार्य हेतु पूर्व में लिए गये ब्लॉक अवधि का विस्तार 19 जनवरी से 22 फरवरी, 2026 तक किया गया है। लखनऊ जं0 के पुनिर्विकास का कार्य पूरा हो जाने पर यात्रियों को उन्नत यात्री सुविधायें उपलब्ध होगी तथा परिचालनिक सुविधायें बढ़ेगी। ब्लॉक अवधि में विस्तार के फलस्वरूप गाड़ियों के टर्मिनल में परिवर्तन, शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन तथा पुनर्निधारण अवधि में निम्नवत विस्तार किया गया है।

टर्मिनल में परिवर्तन-

-आगरा फोर्ट से 19 जनवरी से 22 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 12180 आगरा फोर्ट-लखनऊ जं. इण्टरसिटी एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर ऐशबाग 12.25 बजे पहुँचकर यात्रा समाप्त करेगी तथा लखनऊ जं0 से 19 जनवरी से 22 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 12179 लखनऊ जं.-आगरा फोर्ट इण्टरसिटी एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर ऐशबाग से 15.55 बजे चलाई जायेगी।

-बांद्रा टर्मिनस से 17, 24, 31 जनवरी, 07, 14 फरवरी, 2026 को चलने वाली 20921 बांद्रा टर्मिनस-लखनऊ एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर ऐशबाग स्टेशन पर 14.20 बजे यात्रा समाप्त करेगी तथा लखनऊ जं0 से 18, 25 जनवरी, 01, 08 एवं 15 फरवरी, 2026 को चलने वाली 20922 लखनऊ जं0-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर ऐशबाग से 17.50 बजे चलाई जायेगी।

-पुणे से 20, 27 जनवरी, 03, 10 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 12103 पुणे-लखनऊ जं. एक्सप्रेस लखनऊ जं. के स्थान पर गोमतीनगर स्टेशन पर 14.20 बजे यात्रा समाप्त करेगी तथा लखनऊ जं. से 21, 28 जनवरी, 04, 11 एवं 18 फरवरी, 2026 को चलने वाली 12104 लखनऊ जं.-पुणे एक्सप्रेस लखनऊ जं. के स्थान पर गोमतीनगर से 15.35 बजे प्रस्थान करेगी। 12103/12104 पुणे-लखनऊ-पुणे एक्सप्रेस का 02 मिनट का अस्थाई ठहराव बादशाहनगर एवं ऐशबाग स्टेशनों पर दिया जायेगा।

शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन-

-गोरखपुर एवं लखनऊ जं. से 09 से 22 फरवरी, 2026 तक (मंगलवार को छोड़कर) चलने वाली 15031/15032 गोरखपुर-लखनऊ जं-गोरखपुर एक्सप्रेस लखनऊ जं. के स्थान पर ऐशबाग में 11.10 बजे पहुंचकर शार्ट टर्मिनेट होगी एवं ऐशबाग से 16.16 बजे चलाई जायेगी। यह गाड़ी लखनऊ जं0 से ऐशबाग के बीच निरस्त रहेगी।

-छपरा से 19 से 25 जनवरी, 2026 तक चलने वाली 15053 छपरा-लखनऊ जं0 एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर गोमतीनगर स्टेशन पर 07.40 बजे पहुंचकर यात्रा समाप्त करेगी। यह गाड़ी गोमतीनगर से लखनऊ के बीच निरस्त रहेगी।

-लखनऊ जं0 से 19 से 25 जनवरी, 2026 तक चलने वाली 15054 लखनऊ जं0-छपरा एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर गोमतीनगर से 21.48 बजे चलाई जायेगी। यह गाड़ी गोमतीनगर से लखनऊ के बीच निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर से 09 से 22 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 15069 गोरखपुर-ऐशबाग एक्सप्रेस ऐशबाग के स्थान पर गोमतीनगर 09.48 बजे पहुंचकर यात्रा समाप्त करेगी। यह गाड़ी गोमतीनगर से ऐशबाग के मध्य निरस्त रहेगी।

-ऐशबाग से 09 से 22 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 15070 ऐशबाग-गोरखपुर एक्सप्रेस ऐशबाग के स्थान पर गोमतीनगर से 17.00 बजे से प्रस्थान करेगी। यह गाड़ी ऐशबग से गोमतीनगर के मध्य निरस्त रहेगी।

-कासगंज एवं लखनऊ जं से 09 से 22 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 55346/55345 कासगंज-लखनऊ जं.-कासगंज सवारी गाड़ी लखनऊ जं के स्थान पर ऐशबाग में/से शार्ट टर्मिनेट/शार्ट ओरिजिनेट होगी। यह गाड़ी ऐशबाग से लखनऊ जं. के मध्य निरस्त रहेगी।

पुनर्निर्धारण-

-लखनऊ जं से 09 से 22 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 15011 लखनऊ जं.-चंडीगढ़ एक्सप्रेस लखनऊ जं. से 60 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।

मोहनलालगंज तहसील में वकीलों का हंगामा, तहसीलदार मुदार्बाद के नारे लगाए

लखनऊ (संवाददाता)। मोहनलालगंज तहसील में शनिवार को समाधान दिवस समस्या दिवस बनता दिखा। यहां वकीलों ने आमजनता से आगे बढ़ते हुए अधिकारियों को लताड़ना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में वकीलों की भीड़ आ गई। सबने एसडीएम के सामने नारे लगाए कि एसडीएम तेरी तानाशाही नहीं चलेगी। तहसीलदार मुदार्बाद-मुदार्बाद। आरोप लगाए कि तहसील में दलाल एक्टिव हैं। उनके साथ तहसीलदार संलिप्त हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता वाले इस समाधान दिवस में अधिकारियों की लापरवाही भी सामने आई। जानकारी के अनुसार, प्रभारी एडीएम सहित पुलिस और अन्य विभागों के कई अधिकारी सुबह 11.40 बजे तक कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हुए। फरियादियों ने अधिकारियों का लंबे समय तक इंतजार किया। इससे आमलोगों में भी नाराजगी देखने को मिली। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया है कि उनकी राय और विचार-विमर्श के बिना सुदूर ग्रामीण अंचल में उपनिबंधक कार्यालय की स्थापना कर दी गई, जिससे आमजन और वकीलों को अनावश्यक परेशानी हो रही है।

तार्किक विसंगति वाले मतदाताओं की भी होगी जांच, 3.21 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी होंगे

● सीईओ के आदेश से प्रशासन पर बढ़ा दबाव

■ ग्वालियर

जिले में निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत अब तक केवल नो-मैपिंग वाले मतदाताओं की सुनवाई की जा रही थी, लेकिन अब मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) भोपाल ने बड़ा फैसला लेते हुए तार्किक विसंगति (लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी) वाले मतदाताओं को भी नोटिस जारी कर सुनवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए जिला प्रशासन से उन अधिकारियों की सूची भी मांगी गई है, जिनकी ड्यूटी इस सुनवाई कार्य में लगाई जाएगी। सीईओ के इस नए आदेश से प्रशासनिक अमले की चिंता बढ़ गई है।

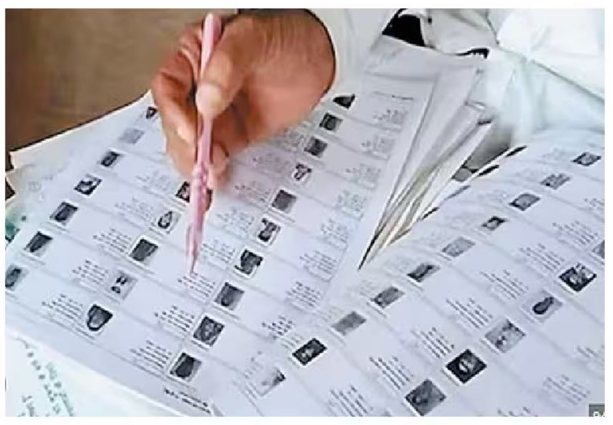

जानकारी के अनुसार जिले में नो-मैपिंग श्रेणी के कुल 68 हजार 721 मतदाता हैं, जिनमें से अब तक 11 हजार 215 मतदाताओं की सुनवाई की जा चुकी है। लेकिन शुक्रवार को आयोजित एसआईआर की समीक्षा बैठक में सीईओ भोपाल ने स्पष्ट किया कि जिले में जिन मतदाताओं के रिकॉर्ड में तार्किक विसंगति पाई गई है, उन्हें भी नोटिस जारी किए जाएं। नोटिस के बाद सक्षम अधिकारियों द्वारा सुनवाई की जाएगी और दस्तावेजों के सत्यापन के उपरांत ही मतदाता विवरण में सुधार किया जाएगा। अभी तक तार्किक विसंगति वाले मतदाताओं का सुधार बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) स्तर पर किया जा रहा था। बीएलओ घर-घर जाकर दस्तावेजों का सत्यापन कर डेटा अपलोड कर रहे थे।

बताया गया है कि बीएलओ द्वारा अब तक करीब 56 हजार मतदाताओं के रिकॉर्ड में सुधार किया जा चुका है। लेकिन अब सभी को नोटिस जारी किए जाएंगे। इतना ही नहीं यदि इन सभी मतदाताओं को नोटिस जारी कर सुनवाई कराई जाती है, तो इस कार्य के लिए 150 से अधिक अधिकारियों की आवश्यकता पड़ेगी। इसी कारण प्रशासनिक स्तर पर भारी दबाव की स्थिति बन गई है।

सर्वे में सामने आई प्रमुख तार्किक विसंगति

- 1 लाख 34 हजार मतदाता ऐसे, जिनके बच्चों और माता-पिता की उम्र में 15 साल से कम का अंतर।
- 50 हजार मतदाता ऐसे, जिनमें उम्र का अंतर 50 साल से अधिक।
- 74 हजार 353 मतदाताओं का जेंडर मिसमैच।
- 52 हजार मतदाताओं के 6 से अधिक बच्चे दर्ज।
- 38 हजार मतदाता, जिनमें दादा-दादी और पोते की उम्र में 40 साल से कम का अंतर।

तार्किक विसंगति क्या है

मतदाता सूची में दर्ज ऐसी जानकारी, जो आपस में तर्कसंगत न हो या निर्वाचन आयोग के निर्धारित नियमों के विपरीत हो, उसे तार्किक विसंगति में रखा गया है। इसमें मतदाता की उम्र 18 वर्ष से कम या असंभव (5 वर्ष या 120 वर्ष) दर्ज होना, एक ही व्यक्ति का नाम दो अलग-अलग स्थानों पर दर्ज होना, मृत्यु के बाद भी मतदाता सूची में नाम बने रहना, नाम पुरुष का लेकिन लिंग महिला दर्ज होना, पिता-पुत्र या पति-पत्नी के रिश्तों में असामान्य उम्र का अंतर, विधानसभा क्षेत्र अलग और पता किसी अन्य जिले या राज्य का दर्ज होना।

छह विधानसभा क्षेत्रों में तार्किक विसंगति

विधानसभा क्षेत्र	तार्किक विसंगति प्रतिशत
ग्वालियर ग्रामीण	25.13
ग्वालियर	35.82
ग्वालियर पूर्व	33.23
ग्वालियर दक्षिण	27.12
भितरवार	31.95
डबरा	26.78

डिंपल यादव के जन्मदिन पर सपा नेता ने पेश की मानवता की मिसाल

धनघटा,संत कबीर नगर। महिला सशक्तिकरण की प्रतीक और मैनपुरी की सांसद श्रीमती डिंपल यादव का जन्मदिवस जनपद के धनघटा क्षेत्र में सेवा संकल्प के रूप में मनाया गया। औराडाड़ (पांडेय पुरा) स्थित आवास पर आयोजित कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष प्रभुनाथ यादव ने न केवल केक काटकर खुशियां बांटीं, बल्कि कड़ाके की ठंड को देखते हुए सैकड़ों असहाय लोगों को कंबल वितरित कर राहत पहुंचाई। इस अवसर पर प्रभुनाथ यादव ने एक बड़ी मानवीय घोषणा करते हुए सबका दिल जीत लिया। उन्होंने थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सेमरी के टोला (दरेवा) निवासी स्वर्गीय राजू गौतम के अनाथ बच्चों के सिर पर छत बनवाने का पूर्ण जिम्मा उठाया। सपा नेता ने संकल्प लिया कि इन बेसहारा बच्चों के लिए वे स्वयं पक्का मकान बनवाएंगे, ताकि उन्हें दर-दर न भटकना पड़े। जनता को संबोधित करते हुए प्रभुनाथ यादव ने उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री श्री बहन कुमारी मायावती को भी जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि राजनीति का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा करना है।

रामस्य राष्ट्र का आयोजन कल, हनुमानजी करेंगे आरती, होगा कवि सम्मेलन

■ ग्वालियर

सामाजिक संस्था ह्यूमन हैप्पीनेस फांउडेशन के तत्वावधान में रविवार 18 जनवरी को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं प्रभु श्रीराम जी की आरती का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 4.45 बजे सनसिटी रोड मेला ग्राउंड स्थित दी ग्रैंड कैसल रिसॉर्ट में होगा। फाउंडेशन के अध्यक्ष लोकेंद्र पाराशर ने बताया कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम जी के मंदिर की द्वितीय वर्षगांठ पर यह आयोजन किया जा रहा है। रामभक्त हनुमान जी भगवान श्रीराम और सीता जी की आरती करेंगे, जो मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा। इस अवसर पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के जाने माने कवि काव्य पाठ करेंगे। इसमें पद्मश्री डॉ. सुरेन्द्र शर्मा (हास्य), प्रवीण शुक्ल (हास्य), गजेंद्र सोलंकी (ओज), योगेंद्र शर्मा (ओज), उपेंद्र पांडेय (हास्य), सुश्री अंकिता सिंह (श्रृंगार), सुश्री कल्पना शुक्ला (गीतकार), शैलेन्द्र मधुर (श्रृंगार), हेमंत पांडेय (हास्य) तथा राजेश अग्रवाल सम्मिलित होकर भावपूर्ण काव्य वर्षा करेंगे। इस अवसर पर रामायण प्रतियोगिता में विजयी तीन छात्रों को सम्मानित भी किया जाएगा।

बीयरबार में गोली चलाने वाले तीन आरोपी पकड़े

■ ग्वालियर

बीयरबार में रंगदारी दिखाकर मारपीट, तोड़फोड़ और गोली चलाने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है।

गोला का मंदिर थाना क्षेत्र स्थित भिंड रोड पर दुर्वा बीयरबार में बदमाशों ने खाने का सामान देने के विवाद पर स्टाफ के साथ मारपीट तोड़फोड़ और गोली चलाकर दहशत फैला दी थी। पुलिस ने फरियादी संतोष परिहार की शिकायत पर चार बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली थी। पुलिस घटना के बाद से ही आरोपियों की तलाश में उनके छिपने के ठिकानों पर दबिश दे रही थी। शुक्रवार को पुलिस ने अनीश पुत्र अवतार सिंह 22 वर्ष निवासी ग्राम बांकीपुर गोहद भिंड हाल बलराम नगर पटरी रोड थाना गोला का मंदिर, अवधेश पुत्र दुर्गा प्रसाद शर्मा 29 वर्ष निवासी देवासी ग्राम डगर बरासों भिंड हाल तोमर किराना स्टोर के पास भगत सिंह नगर थाना और सोनू पुत्र परशुराम शर्मा 26 वर्ष निवासी ग्राम बगरे गोहद भिंड हाल मालू मार्बल के पीछे भिंड रोड को गिरफ्तार कर लिया। जबकि सचिन बाल्मीक की तलाश में पुलिस उसके छिपने के ठिकानों पर दबिश दे रही है।

होटल में स्टाफ के साथ मारपीट

ग्वालियर। होटल में खाना खाने गए युवकों ने हंगामा करते हुए स्टाफ के साथ मारपीट कर दी। मारपीट करने वाले शराब के नशे में धुत थे। पुलिस ने उनको पकड़कर फरियादी की शिकायत पर कार्रवाई की है। पुरानी छावनी चौराहा पर स्थित यादव होटल में बीते कल नीरज पुत्र विजय यादव निवासी बिरला नगर, विकास सिंह पुत्र मदन सिंह, अखिल पुत्र महेश सिंधी निवासी न्यू कॉलोनी बिरला नगर और शैलेश तोमर निवासी पीएचई कॉलोनी हजीरा खाना खाने पहुंचे थे। खाने का ऑर्डर दिया और खाने का इंतजार करने लगे। जब थोड़ी देर बाद खाना नहीं आया तो उनकी स्टाफ से इसी बात को लेकर बहस हो गई। नशे में धुत चारों युवकों ने मिलकर स्टाफ के साथ मारपीट कर दी। होटल पर झगड़े की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और चारों को पकड़कर अपने साथ ले गई। पुलिस ने रामकुमार पुत्र बद्रीप्रसाद यादव निवासी यादव धर्मकांटा वैष्णोपुरम की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

युवाओं में बढ़ा हथियारों का शौक, मामूली विवाद में चला रहे गोलियां

● एक पखवाड़े में आधा दर्जन घटनाएं

■ ग्वालियर

भोपाल से घर लौटे कृष्णा शर्मा नाश्ता करने दुकान जा रहे थे, तभी विद्यालय के छात्रों ने पुरानी रंजिश में उनकी जमकर मारपीट की और गोली मार दी। हमलावरों में नाबालिग भी शामिल थे। जमीन या पैसे का कोई विवाद नहीं, बस मामूली रंजिश। शहर में इन दिनों युवाओं में गोलियां चलाने की ऐसी होड़ मची है कि पुलिस पहली घटना के आरोपियों को पकड़ नहीं पाती, तब तक गोली चलने की दूसरी घटना हो जाती है। वर्ष 2026 में एक पखवाड़ा के भीतर आधा दर्जन से ज्यादा घटनाएं झगड़े में गोलियां चलने की दर्ज हो चुकी हैं।

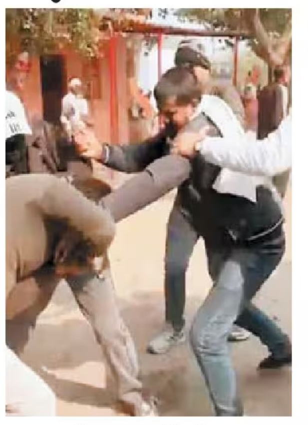

स्थानीय युवाओं के अलावा ग्वालियर सीमा से लगे दूसरे जिलों से आकर युवा भी गोलियां चलाने की घटनाओं में आगे हैं। भिंड और मुरैना जिले के बदमाश पुलिस के लिए सिरदर्द बन गए हैं। छोटी-छोटी बातों में युवा गोलियां चलाने से नहीं चूक रहे हैं।

जानकारों का कहना है कि अब पुलिस और कानून का युवाओं में कोई भय नहीं है। सामूहिक गिरोह में अपराध करने की भी प्रवृत्ति बढ़ी है। शहर में कई ऐसे प्रमाण है जब समूह में बदमाशों ने संगीन घटनाओं को अंजाम दिया गया है। पुलिस के खाते में दर्ज प्रकरणों में गिरोह में अपराध करने की संख्या ज्यादा है।

पिता का बदला लेने बेटा दोस्तों के साथ पहुंचा

10 जनवरी को बिजली विभाग में पदस्थ धीरज यादव से मुरार, लालटिपारा में विवाद हो गया तो उन्होंने अपने बेटे सुमित को बता दिया। सुमित अपने भाई नितिन, दोस्त आशिक खान के साथ मौके पर पहुंच गया। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। सुमित, नितिन व आशिक पक्ष ने न केवल कट्टे के बट से रवि शर्मा को पीटा, बल्कि गोली भी चलाई। जबकि विवाद की जड़ कोई रंजिशन नहीं थी।

गैंगवार में चलाई गोलियां

2 जनवरी को सुमित जाट, अरुण जाट व सतपाल रंधावा झांसी थाना रोड स्थित शीतला माता सातऊ मोड़ पर पहुंचे थे, तभी गुरुपाल, हर्षदीप व पलबिंदर आ धमके। दोनों पक्षों की ओर से ताबड़तोड़ गोलियां चलीं। आपसी विवाद में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को ललकार कर गोलियां चलाने की घटनाओं को अंजाम दिया। गोली लगने दो युवक घायल हो गए थे। दोनों पक्ष के लोग युवा वर्ग के हैं।

बियर बार में तोड़फोड़ चला दी गोली

11 जनवरी को अनीश गुर्जर, अवधेश शर्मा, सोनू शर्मा और सचिन बाल्मीक ने भिंड रोड पर स्थित दुर्वा बियर वार में संतोष परिहार की मारपीट कर तोड़फोड़ कर दी और सोनू ने कट्टा निकालकर गोली चला दी। विवाद की वजह शराब पीने के दौरान खाने का सामान (चखना) के पैसे मांगना था। हालांकि पुलिस ने तीन बदमाशों को पकड़ लिया है। गोली चलाने वाले सभी आरोपी युवा हैं।

युवाओं में बढ़ी अहंकार की प्रवृत्ति

युवाओं में आज अहंकार की प्रवृत्ति के कारण उनके व्यवहार में परिवर्तन आया है। पुलिस अवैध हथियार तो पकड़ती है, लेकिन यह पता नहीं लगाती कि हथियार आया कहां से। साथ ही जिस प्रकार की चेकिंग होना चाहिए उसमें सख्ती दिखाई नहीं देती है। राजनैतिक दबाव के कारण भी पुलिस कार्रवाई नहीं कर पाती है।

सुरेशबाबू शर्मा
सेवानिवृत्त उप पुलिस अधीक्षक

शिवांग को गोलियां चलाने का शौक

शिवांग भार्गव को गोलियां चलाने का शौक है। शिवांग ने अपने दोस्त साहिल बाथम के साथ मिलकर कुश सेंगर के घर शराब पीने के लिए दो हजार रुपए नहीं देने पर गोलियां चला दी थीं। साथ ही शिवांग लारेंस बिश्नोई वाली जैकेट पहनकर रील बनाने का भी शौकीन है उसने एक युवक का भी रास्ता रोककर मारपीट कर गोली चलाई थी। हालांकि पुलिस ने दोनों बदमाशों को पकड़ लिया है।

भिंड रोड पर व्यापारी को लूटने वाले शिंदे की छावनी पर फेंक गए मोबाइल, सुराग लगा

■ ग्वालियर

महाराजपुरा थाना क्षेत्र के एमिटी यूनिवर्सिटी के पास ऑटो पार्ट्स विक्रेता से हुई लूट के बाद बदमाशों की आखिरी लोकेशन नदी गेट मिली है। लूटा गया मोबाइल शिंदे की छावनी नदी गेट पर आकर ठहर गया है। मोबाइल की लास्ट लोकेशन गुरुद्वारे के पास स्थित चाट मार्केट के पास की आ रही है। हालांकि व्यापारी से लूटा गया मोबाइल अभी तक पुलिस को मिला नहीं है, पुलिस को अंदेशा है कि लुटेरों को इस बात का भान है कि मोबाइल ट्रेस करके पुलिस उन तक पहुंच सकती है। इसी डर की वजह से बदमाश मोबाइल को कहीं कचरे में पटककर भाग निकले हैं। इस रूट के सीसीटीवी फुटेज पुलिस देख रही है। पुलिस को लूट की वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों का सुराग भी लग गया है। इनके हाथ आते ही पुलिस पूरी वारदात का खुलासा कर देगी।

उल्लेखनीय है कि दीनदयाल नगर निवासी प्रदीप शर्मा की मालनपुर जिला भिंड में स्पेयर पार्ट्स की दुकान है। वह गुरुवार की रात लगभग 9 बजे मालननपुर से वापस आते हैं। यह प्रदीप शर्मा का रोज का रुटीन है। बीती रात मालनपुर से दुकान बंद करने के बाद जब प्रदीप शर्मा वापस दीनदयाल नगर आ रहे थे तो एमिटी यूनिवर्सिटी के पास हाइवे पर मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों ने उन्हें रोककर टेकनपुर का रास्ता पूछा। उन्होंने अपनी गाड़ी रोककर टेकनपुर का पता बताया ही था कि बदमाशों ने पिस्टल तान दी। पिस्टल का डर दिखाकर बदमाश प्रदीप से बैग छीनकर भाग गए। बैग में मोबाइल तथा करीब 40 हजार रुपए नकद रखे थे। लूट होने की खबर प्रदीप शर्मा ने महाराजपुरा पुलिस को दी। कारोबारी से लूट होने की बात पता चलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और लुटेरों को पकड़ने के लिए नाकाबंदी की। नाकाबंदी से कोई सफलता पुलिस को नहीं मिली, क्योंकि लुटेरे रात के अंधेरे में गायब हो गए थे। कारोबारी प्रदीप शर्मा की जेब में रखे 17 हजार रुपए पर लुटेरों की नजर नहीं गई, जिससे वह बच गए।

बाल सुधार गृह से भागे नाबालिगों का नहीं लगा सुराग

■ ग्वालियर

महाराजपुरा थाना क्षेत्र स्थित बाल सुधार गृह से भागे दो नाबालिगों का तीन दिन बाद भी सुराग नहीं लग सका है। पुलिस नाबालिगों की तलाश में उनके रिश्तेदार और अन्य स्थानों पर दबिश दे रही है, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी है।

आदित्यपुरम स्थित बाल सुधार गृह से 14 जनवरी को 15 वर्षीय और 12 वर्षीय बालक सुधार गृह का ताला खोलकर भाग गए थे। पुलिस ने अधीक्षक सौरभ गुप्ता निवासी मयूरनगर थाटीपुर की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। बताया गया है कि 15 वर्षीय बालक को 25 दिसम्बर को ही बाल सुधार में भेजा गया था। मंशापूर्ण हनुमान मंदिर पर सुलोचन का नशा करने पर उसे पकड़कर लाया गया था, तो वहीं 12 वर्षीय बालक को मुरैना से लाया गया था। दोनों बालकों का तीन दिन बाद भी सुराग नहीं लग सका है। एक बालक के बारे में पता चला है कि वह पहले भी घर से भाग चुका था और उसे नशे की लत के कारण ही बाल सुधार गृह में भेजा गया था। अब पुलिस दोनों बालकों की तलाश में भटक रही है और उनका कोई सुराग भी नहीं लग सका है।

भिखारियों को लेकर न्यायालय की तल्ख टिप्पणी, हटाने के निर्देश

■ ग्वालियर

मप्र उच्च न्यायालय की एकल पीठ में नगर निगम संबंधित मछली मंडी से अवैध कब्जा हटाने के मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति ने शहर में जैसे ही स्थान स्थान पर भिखारियों के इकट्ठा होकर बैठने की बात कही तो उपस्थित अधिकारियों से कोई जवाब देते नहीं बना। दरअसल मछली मंडी से अतिक्रमण हटाने पर मामला उच्च न्यायालय में सुनवाई में आया। इस बीच न्यायालय ने रेलवे स्टेशन, गांधी रोड सहित तमाम स्थानों पर भिखारियों के बैठने पर निगम अधिकारियों से सवाल पूछा तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इस पर उन्होंने इस तरह की गतिविधियों पर आपत्ति जताते हुए उन्हें तत्काल हटाने के निर्देश दिए। न्यायालय में उपस्थित निगमायुक्त ने आदेश का पालन करने की बात कही।

वन विभाग की जमीन पर स्थगन

घाटीगांव तहसील मोहना सर्किल के मानपुर हल्का में वन विभाग की जमीन से जुड़े भूमि विवाद पर न्यायालय ने अस्थाई निषेधाज्ञा जारी करने के आदेश दिए हैं। भूप सिंह एवं हाकिम सिंह निवासी पाटई ने द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड ग्वालियर हर्षता सोनी के न्यायालय में यह कह कर राहत की मांग की थी कि बादग्रस्त भूमि सर्वे क्रमांक 339/1 रकवा 2.006 हेक्टेयर का भाग उनके पिता रामदयाल पुत्र लालू को वर्ष 1998 में पट्टे से प्राप्त हुई थी। पिता के निधन के बाद यह भूमि उनके दोनों पुत्रों के नाम दर्ज है। जिसपर वह खेती करते चले आ रहे हैं। लेकिन 5 मार्च 2025 को घाटीगांव रेंज के वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इस भूमि पर आकर विवाद किया और अपना कब्जा होना बताया। न्यायालय में वन विभाग ने तर्क दिया की खसरा संवत 1997 में सर्वे क्रमांक 339- 392/1/1 रकवा 33 बीघा वन विभाग के नाम दर्ज है। वर्ष 2020 के खसरे में 339/1/1 रकवा 4.230 हेक्टेयर भूमि शासन के नाम दर्ज है। न्यायालय ने सुनवाई के बाद निजी व्यक्तियों के पक्ष में अस्थाई निषेधाज्ञा जारी करने के आदेश दिए हैं।

अमानक दूध बेचने पर 2 लाख का जुर्माना बरकरार

अमानक दूध बेचने के मामले में उच्च न्यायालय ने दो लाख रुपए के जुर्माना को बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति ने सुनवाई के बाद कहा कि गाय और भैंस का दूध मिलाकर बेचना शिशुओं के स्वास्थ्य के लिए घातक हो सकता है, इसलिए ऐसे कृत्य को हल्के में नहीं लिया जा सकता।

यह मामला सतपाल सिंह कुकरेजा की अपील से संबंधित है। उन पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 71(6) के तहत कार्रवाई की गई थी। इससे पहले अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी एवं निर्णायक अधिकारी ग्वालियर ने सतपाल पर 2 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। जिला न्यायाधीश एवं अपीलीय प्राधिकरण ने 3 सितंबर 2025 को इस दंड को बरकरार रखते हुए अपील खारिज कर दी थी। इसी फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दायर की गई थी। अपीलकर्ता ने तर्क दिया कि खाद्य विश्लेषक की रिपोर्ट में दूध को उप-मानक इसलिए बताया गया था, क्योंकि वह गाय और भैंस के दूध का मिश्रण था।

हालांकि, इसमें कोई हानिकारक तत्व नहीं पाया गया था, इसलिए दो लाख रुपए का जुर्माना अत्यधिक है और इसे कम किया जाना चाहिए। राज्य शासन की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि गाय का दूध सामान्यतः शिशुओं के लिए अधिक उपयुक्त और आसानी से पचने योग्य होता है। यदि कोई विक्रेता गाय के दूध के नाम पर भैंस का दूध मिलाकर बेचता है, तो यह उपभोक्ताओं, विशेषकर शिशुओं के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ है। ऐसे कृत्य को साधारण त्रुटि नहीं माना जा सकता।

आबकारी विभाग ने ठेका व सीमा विस्तार पर किया मंथन

ग्वालियर। आगामी ठेका वर्ष 2026-27 की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को आबकारी विभाग की बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त आबकारी संदीप शर्मा एवं सहायक आबकारी आयुक्त राकेश कुर्मी की मौजूदगी में जिले के समस्त मदिरा अनुज्ञप्ति धारियों के साथ बैठक की गई। बैठक में ठेका वर्ष 2026-27 के अंतर्गत मदिरा दुकानों के निष्पादन को लेकर समूहवार विस्तृत चर्चा की गई। संभावित मदिरा दुकानों के पुनर्स्थापन, सीमा विस्तार तथा दुकानों के संचालन हेतु शासकीय भूमि की उपलब्धता जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रस्ताव तैयार करते समय नियमों और जनहित का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक के दौरान एमएसपी और एमआरपी का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए गए। विभागीय अधिकारियों एवं अनुज्ञप्ति धारियों को कहा गया कि किसी भी स्थिति में निर्धारित दरों से अधिक मूल्य पर मदिरा विक्रय न किया जाए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का एल-1 स्तर पर ही संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सम्पादकीय

महायुति की महासफलता

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की महत्वपूर्ण सफलता ने राज्य में बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत दे दिया है, जो आने वाले दशकों में राज्य की भगवा राजनीति की विरासत पर वर्चस्व की दिशा भी तय करेगा। राज्य के विधानसभा चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन द्वारा विपक्ष को करारी शिकस्त देने के एक साल से कुछ अधिक समय के बाद अब सत्तारूढ़ गठबंधन ने राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में अपना दबदबा कायम कर लिया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व वाले बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी के चुनावों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। निश्चित रूप से इस हालिया परिणाम से आने वाले सालों में मुंबई की सत्ता में निर्णायक बदलाव आएगा। अविभाजित पार्टी के रूप में, बाल ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना ने दशकों तक भारत की वित्तीय राजधानी पर शासन किया। लेकिन अब भाजपा की अगुवाई में शिवसेना से अलग हुए एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला गुट बीएमसी में अहम भूमिका निभाएगा। जैसे महाराष्ट्र सरकार में एकनाथ शिंदे उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभा रहे हैं, वैसी बीएमसी में पार्टी की भूमिका रहेगी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दो दशक बाद ठाकरे भाइयों की पार्टियों के एकजुट होकर लड़ने के बावजूद राज्य में महायुति की लहर रुकी नहीं। यही वजह है कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की हाल ही में सामने आई प्रतीकात्मक एकता चुनावी सफलता में बदलने में कामयाब नहीं हो सकी। वहीं दूसरी ओर शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों के बीच गठबंधन पूणे में बुरी तरह विफल हो गया। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र की राजनीति में बीएमसी चुनाव परिणामों के गहरे निहितार्थ रहे हैं। बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी को देश का सबसे धनी नगर निगम होने का गौरव हासिल है। जिसके चलते इसका राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है। महाराष्ट्र की राजनीति में बीएमसी के महत्व का अंदाजा इसके बजट से लगाया जा सकता है। इसका बजट वर्ष 2025-26 के लिये 74,427 करोड़ रुपये का है, जो हिमाचल प्रदेश और गोवा जैसे राज्यों के बजट से भी अधिक है। ऐसे में हालिया स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के वर्चस्व के बाद स्थानीय निकाय की नई संरचना का मुंबई के शासन, नीतिगत प्राथमिकताओं और महाराष्ट्र की राजनीतिक गतिशीलता पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। यहां सकारात्मक पहलू यह भी है कि जनता ने विकास की आकांक्षा को तरजीह दी और क्षेत्रीय संकीर्णता के नारे को खारिज किया। चुनाव परिणाम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विकास के वादे का समर्थन करते हैं। हालांकि, ठाकरे परिवार का मराठी मानुष कार्ड ज्यादा मतदाताओं को आकर्षित नहीं कर पाया। एक बार फिर महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों में कांग्रेस हाशिये पर नजर आई। ऐसे में यह कांग्रेस को फिर से आत्ममंथन का मौका देता है। निर्विवाद रूप से महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों ने विपक्ष के महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है, जिसके घटक दल पहले ही महाराष्ट्र की राजनीति में प्रासंगिक बने रहने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। राजनीतिक पंडित कह रहे हैं कि महाराष्ट्र की राजनीति में बरसों तक वर्चस्व रखने वाले ठाकरे और पवार के राजनीतिक परिवार को राज्य में अपनी प्रासंगिकता बनाये रखने के लिये नये सिरे से प्रयास करने होंगे। वहीं दूसरी ओर इन चुनाव परिणामों का एक निष्कर्ष यह भी है कि भाजपा चुनावों में जीतने का गणित सीख गई है। पार्टी के बूथ मैनेजमेंट के साथ संघ का संबल उसकी विजय की राह प्रशस्त करता है। यही वजह है कि स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ती नजर आई, बल्कि अपने सहयोगियों पर भी भारी पड़ी है।

'ग्रीनलैंड पर जो देश बीच में आयेगा उस पर टैरिफ ठोंकेगे', यह साधारण बयान नहीं, दुनिया को ट्रंप की खुली धमकी है

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ग्रीनलैंड अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उनका तर्क है कि आर्कटिक क्षेत्र भविष्य की सामरिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनने जा रहा है और ग्रीनलैंड इस पूरे क्षेत्र की चाबी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर वैश्विक राजनीति में उथल पुथल मचा दी है। इस बार विवाद का केंद्र बना है ग्रीनलैंड। ट्रंप ने संकेत दिया है कि दुनिया के जो देश ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका की रणनीति का समर्थन नहीं करेंगे, उन पर अमेरिका भारी टैरिफ लगा सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन की सक्रियता तेजी से बढ़ रही है और अमेरिका वहां अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता है। डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ग्रीनलैंड अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उनका तर्क है कि आर्कटिक क्षेत्र भविष्य की सामरिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनने जा रहा है और ग्रीनलैंड इस पूरे क्षेत्र की चाबी है। उन्होंने साफ संकेत दिया कि जो देश इस अमेरिकी सोच के साथ नहीं आएंगे, उन्हें आर्थिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। हम आपको बता दें कि ग्रीनलैंड डेनमार्क का स्वायत्त क्षेत्र है और डेनमार्क सरकार ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ग्रीनलैंड न तो बिकाऊ है और न ही किसी दबाव में सौंपा जा सकता है। ग्रीनलैंड के स्थानीय प्रशासन ने भी अमेरिका की इस सोच को खारिज करते हुए कहा है कि वहां के लोग अपने भविष्य का फैसला खुद करेंगे। वहीं यूरोप के कई देशों ने डेनमार्क के समर्थन में बयान दिए हैं और इसे अंतरराष्ट्रीय नियमों और संप्रभुता के खिलाफ बताया है। साथ ही ट्रंप की टैरिफ धमकी को कई देशों ने आर्थिक जबरदस्ती करार दिया है। ट्रंप के ताजा बयान के बाद ट्रांस अटलांटिक रिश्तों में तनाव साफ दिखाई देने लगा है और नाटो के भीतर भी असहजता बढ़ती नजर आ रही है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप का ग्रीनलैंड को लेकर दिया गया बयान एक ऐसी राजनीति को उजागर करता है जिसमें कूटनीति नहीं बल्कि धमकी हथियार बन चुकी है। ग्रीनलैंड क्यों अहम है यदि इसकी बात करें तो आपको बता दें कि यह कोई साधारण बफीर्ला द्वीप नहीं है। यह आर्कटिक क्षेत्र में स्थित एक ऐसा भूभाग है जहां से उत्तरी अटलांटिक पर नजर रखी जा सकती है। यहां दुर्लभ खनिज संसाधन हैं। यहां से मिसाइल चेतावनी प्रणाली, नौसैनिक गतिविधियां और वायु मार्ग नियंत्रित किए जा सकते हैं। यही वजह है कि अमेरिका इसे केवल आर्थिक नहीं बल्कि सैन्य नजरिये से भी देखता है। लेकिन सवाल यह नहीं है कि ग्रीनलैंड कितना महत्वपूर्ण है। असली सवाल यह है कि क्या किसी देश को यह अधिकार है कि वह अपनी सामरिक जरूरतों के नाम पर दूसरे देशों पर आर्थिक दबाव बनाए। ट्रंप का बयान इसी सोच की खतरनाक मिसाल है। देखा जाये तो टैरिफ अब अमेरिका का सबसे बड़ा हथियार बन चुका है। टैरिफ का इस्तेमाल कभी व्यापार संतुलन के लिए होता था। आज यह राजनीतिक और सामरिक दबाव का औजार बन गया है। ट्रंप की धमकी बताती है कि अमेरिका अब खुले तौर पर कह रहा है या तो हमारे साथ खड़े हो जाओ या आर्थिक सजा भुगतो। यह नीति न केवल वैश्विक व्यापार को नुकसान पहुंचाती है बल्कि छोटे और मध्यम देशों को डर के साए में जीने पर मजबूर करती है। आज ग्रीनलैंड है। कल कोई और मुद्दा होगा। यह रवैया पूरी दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेल सकता है। दूसरी ओर, नाटो की नींव सामूहिक सुरक्षा और आपसी भरोसे पर टिकी है। लेकिन जब नाटो का सबसे शक्तिशाली सदस्य ही दूसरे सदस्य देश पर दबाव डालने लगे, तो यह गठबंधन कैसे टिकेगा। डेनमार्क नाटो का सदस्य है। ग्रीनलैंड उसका हिस्सा है। अगर अमेरिका उसी देश को धमकी दे रहा है, तो यह नाटो पर सीधा हमला है। यह संदेश जा रहा है कि गठबंधन तभी तक मान्य है जब तक वह अमेरिकी हितों के अनुकूल है। इस बीच, यूरोप के कई देशों के भीतर अब यह सवाल उठने लगा है कि क्या अमेरिका सच में भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार है या नहीं। यह वही दरार है जो नाटो को अंदर से खोखला कर सकती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि अगर अमेरिका ग्रीनलैंड को लेकर आक्रामक रुख अपनाता है, तो इसके दूरगामी सामरिक परिणाम होंगे। रूस और चीन को यह कहने का मौका मिलेगा कि पश्चिमी देश दोहरे मानदंड अपनाते हैं। ऐसे में यूरोप अपने स्वतंत्र रक्षा ढांचे की ओर और तेजी से बढ़ सकता है। इससे नए सैन्य और आर्थिक गुट बन सकते हैं। इसका मतलब यह भी है कि दुनिया एक बार फिर गुटों में बंटने की ओर बढ़ेगी। शीत युद्ध जैसी स्थिति लौट सकती है लेकिन इस बार आर्थिक हथियार ज्यादा खतरनाक होंगे। अब सवाल उठता है कि क्या नाटो खत्म होने की कगार पर है? जवाब यह है कि नाटो तुरंत खत्म नहीं होगा। लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि वह अपने सबसे नाजुक दौर में है। अगर अमेरिका इसी तरह सहयोगियों पर दबाव डालता रहा, तो नाटो का अस्तित्व केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। देखा जाये तो किसी भी गठबंधन की ताकत हथियारों से नहीं, भरोसे से आती है। और भरोसा तब टूटता है जब धमकी संवाद की जगह ले ले। बहरहाल, डोनाल्ड ट्रंप का ग्रीनलैंड को लेकर दिया गया बयान एक चेतावनी है। यह चेतावनी है उस दुनिया के लिए जो नियम आधारित व्यवस्था पर भरोसा करती रही है। यह संकेत है कि आने वाले समय में ताकतवर देश ज्यादा आक्रामक और ज्यादा बेपरवाह हो सकते हैं। अगर इस सोच को समय रहते रोका नहीं गया, तो न केवल नाटो बल्कि पूरी वैश्विक व्यवस्था गहरे संकट में फंस सकती है। ग्रीनलैंड की बर्फ के नीचे केवल खनिज नहीं हैं, वहां भविष्य के टकराव की चिंगारी भी छुपी हुई है।

ग्रीनलैंड के स्थानीय प्रशासन ने भी अमेरिका की इस सोच को खारिज करते हुए कहा है कि वहां के लोग अपने भविष्य का फैसला खुद करेंगे। वहीं यूरोप के कई देशों ने डेनमार्क के समर्थन में बयान दिए हैं और इसे अंतरराष्ट्रीय नियमों और संप्रभुता के खिलाफ बताया है। साथ ही ट्रंप की टैरिफ धमकी को कई देशों ने आर्थिक जबरदस्ती करार दिया है। ट्रंप के ताजा बयान के बाद ट्रांस अटलांटिक रिश्तों में तनाव साफ दिखाई देने लगा है और नाटो के भीतर भी असहजता बढ़ती नजर आ रही है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप का ग्रीनलैंड को लेकर दिया गया बयान एक ऐसी राजनीति को उजागर करता है जिसमें कूटनीति नहीं बल्कि धमकी हथियार बन चुकी है। ग्रीनलैंड क्यों अहम है यदि इसकी बात करें तो आपको बता दें कि यह कोई साधारण बफीर्ला द्वीप नहीं है। यह आर्कटिक क्षेत्र में स्थित एक ऐसा भूभाग है जहां से उत्तरी अटलांटिक पर नजर रखी जा सकती है। यहां दुर्लभ खनिज संसाधन हैं। यहां से मिसाइल चेतावनी प्रणाली, नौसैनिक गतिविधियां और वायु मार्ग नियंत्रित किए जा सकते हैं। यही वजह है कि अमेरिका इसे केवल आर्थिक नहीं बल्कि सैन्य नजरिये से भी देखता है। लेकिन सवाल यह नहीं है कि ग्रीनलैंड कितना महत्वपूर्ण है। असली सवाल यह है कि क्या किसी देश को यह अधिकार है कि वह अपनी सामरिक जरूरतों के नाम पर दूसरे देशों पर आर्थिक दबाव बनाए। ट्रंप का बयान इसी सोच की खतरनाक मिसाल है। देखा जाये तो टैरिफ अब अमेरिका का सबसे बड़ा हथियार बन चुका है। टैरिफ का इस्तेमाल कभी व्यापार संतुलन के लिए होता था। आज यह राजनीतिक और सामरिक दबाव का औजार बन गया है। ट्रंप की धमकी बताती है कि अमेरिका अब खुले तौर पर कह रहा है या तो हमारे साथ खड़े हो जाओ या आर्थिक सजा भुगतो। यह नीति न केवल वैश्विक व्यापार को नुकसान पहुंचाती है बल्कि छोटे और मध्यम देशों को डर के साए में जीने पर मजबूर करती है। आज ग्रीनलैंड है। कल कोई और मुद्दा होगा। यह रवैया पूरी दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेल सकता है। दूसरी ओर, नाटो की नींव सामूहिक सुरक्षा और आपसी भरोसे पर टिकी है। लेकिन जब नाटो का सबसे शक्तिशाली सदस्य ही दूसरे सदस्य देश पर दबाव डालने लगे, तो यह गठबंधन कैसे टिकेगा। डेनमार्क नाटो का सदस्य है। ग्रीनलैंड उसका हिस्सा है। अगर अमेरिका उसी देश को धमकी दे रहा है, तो यह नाटो पर सीधा हमला है। यह संदेश जा रहा है कि गठबंधन तभी तक मान्य है जब तक वह अमेरिकी हितों के अनुकूल है। इस बीच, यूरोप के कई देशों के भीतर अब यह सवाल उठने लगा है कि क्या अमेरिका सच में भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार है या नहीं। यह वही दरार है जो नाटो को अंदर से खोखला कर सकती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि अगर अमेरिका ग्रीनलैंड को लेकर आक्रामक रुख अपनाता है, तो इसके दूरगामी सामरिक परिणाम होंगे। रूस और चीन को यह कहने का मौका मिलेगा कि पश्चिमी देश दोहरे मानदंड अपनाते हैं। ऐसे में यूरोप अपने स्वतंत्र रक्षा ढांचे की ओर और तेजी से बढ़ सकता है।

नवाचार, समावेशन और भारत की प्रगति को गति देते हैं स्टार्टअप

पीयूष गोयल

स्टार्टअप इंडिया पहल पूरे देश में एक समग्र और नई सोच वाले इकोसिस्टम के रूप में विकसित हुई है। यह युवाओं की उद्यमशील ऊर्जा को रोजगार सृजन और आध्थक विकास को तेज करने की दिशा में लगाकर, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के मिशन को साकार करने का मार्ग तैयार कर रही है। भारत में आज दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक मौजूद है। यह परिवर्तन रातों-रात नहीं हुआ। जब प्रधानमंत्री ने 2015 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से स्टार्टअप इंडिया की घोषणा की, तब उन्होंने एक स्पष्ट और महत्वाकांक्षी दृष्टि रखी कि उद्यमिता देश के हर जिले और हर ब्लॉक तक पहुंचे। 16 जनवरी, 2016 को उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डी.पी.आई.आई.टी.) की ओर से शुरू किए जाने के बाद से स्टार्टअप देश की अर्थव्यवस्था के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई ऊर्जा भर रहे हैं। आई.टी. सेवाएं, स्वास्थ्य और जीवन विज्ञान, शिक्षा, कृषि और निर्माण जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं। इसके अलावा, जलवायु तकनीक और अवसंरचना सहित 50 से अधिक अन्य उद्योगों में भी नए उद्यम सामने आए हैं। वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत का रैंक 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर पिछले वर्ष 38वें स्थान पर पहुंच गया और गहन तकनीक से जुड़े स्टार्टअप्स को सरकार का समर्थन इसे आगे और बेहतर करेगा। गहन तकनीक वाला राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के तहत नैशनल रिसर्च फाऊंडेशन की स्थापना तथा इंडिया ए.आई. मिशन और रिसर्च डिवैल्पमैंट एंड इनोवेशन योजना की शुरूआत की गई है। भारत के स्टार्टअप एयरोनॉटिक्स, एयरोस्पेस और रक्षा, रोबोटिक्स,

हरित तकनीक, इंटरनैट ऑफ थिंग्स और सैमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भी नवाचार कर रहे हैं। भारतीय स्टार्टअप्स ने 16,400 से अधिक नए पेटैंट आवेदन दाखिल किए हैं, जो मौलिक नवाचार, दीर्घकालिक मूल्य सृजन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर बढ़ते फोकस को दशार्ता है। वर्ष 2016 में केवल 4 राज्यों में स्टार्टअप नीतियां थीं, जबकि आज भारत के 30 से अधिक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष स्टार्टअप ढांचे मौजूद हैं। अब तक 2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता दी जा चुकी है, जो नीति-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र के एक दशक के सतत विकास को दशार्ता है। केवल 2025 में ही 49,400 से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता मिली, जो स्टार्टअप इंडिया की शुरूआत के बाद सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि है। समावेशन इस पूरी यात्रा की एक मजबूत आधारशिला रहा है। महिला नेतृत्व वाले उद्यम एक बड़ी ताकत बनकर उभरे हैं, जहां 45 प्रतिशत से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स में कम से कम 1 महिला निदेशक है। इसके अलावा, लगभग आधे स्टार्टअप गैर-मैट्रो शहरों में स्थित हैं, जो नवाचार और रोजगार के नए केंद्र के रूप में टियर-2 और टियर-3 शहरों की बढ़ती भूमिका को दशार्ता है। जैसे-जैसे भारतीय स्टार्टअप्स का विस्तार हो रहा है, पूरी दुनिया उनके लिए बाजार बनती जा रही है। अब 21 अंतरराष्ट्रीय ब्रिज और 2 रणनीतिक गठबंधन मौजूद हैं, जो यू.के., जापान, दक्षिण कोरिया, स्वीडन और इसराईल सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बाजार तक पहुंच, सहयोग और विस्तार को आसान बनाते हैं। इन पहलों से अब तक 850 से अधिक स्टार्टअप्स लाभान्वित हो चुके हैं। इस विकास को संभव बनाने में कारोबार करने में आसानी में सुधार एक मुख्य आधार रहा है। पात्र स्टार्टअप अपने पहले 10 वर्षों में से किन्हीं भी 3 लगातार वर्षों के लिए कर अवकाश का लाभ ले सकते हैं। अब तक 4,100 से अधिक स्टार्टअप्स को इसके लिए पात्रता प्रमाणपत्र मिल चुके हैं। 60 से अधिक नियामकीय सुधारों के माध्यम से अनुपालन का बोझ कम किया गया है, पूंजी जुटाने को आसान बनाया गया है और घरेलू संस्थागत निवेश को मजबूत किया गया है। एंजेल टैक्स को समाप्त करने और वैकल्पिक निवेश कोषों (ए.टी.एफ.) के लिए दीर्घकालिक पूंजी के रास्ते खोलने से स्टार्टअप फंड्ढ्ढडग का पारिस्थितिकी तंत्र और सशक्त हुआ है। बाजार तक पहुंच को प्राथमिकता दी गई है।

2029 का चुनाव ए .आई . चुनाव होगा

डेरेक ओब्रायन

अब से लगभग 10 हफ्तों में, 4 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव होने वाले हैं। कैंपेन के गाने, रील्स, ट्रेलर्स, रणनीतियां और भी बहुत कुछ होगा। नीतियां लांच और री-लांच की जाएंगी- जिंगल्स से लेकर जुमलों तक, पब्लिक रैलियों से लेकर पॉडकास्ट तक। अगर 2019 भारत का पहला व्हाट्सएप चुनाव था और 2024 भारत का पहला डिजिटल फॉरवर्ड चुनाव, तो 2026 इन दोनों का मिला-जुला रूप होना चाहिए। कहा जाता है कि 2029 ए.आई. चुनाव होगा। मीडिया और राजनीति दोनों के एक उत्सुक छात्र के तौर पर, मीडिया और राजनीति के मेल पर कुछ विचार यहां दिए गए हैं। फेक न्यूज को स्टेरॉयड पर पीत पत्रकारिता कहा जा सकता है - सनसनीखेज खबरों को टैक्नोलॉजी से बढ़ाकर एल्गोरिदम की स्पीड से फैलाना, जिसमें जवाबदेही बहुत कम या बिल्कुल नहीं होती। आज चुनावों पर फेक न्यूज के असर को 5 डब्ल्यूज के बेसिक पत्रकारिता फ्रेमवर्क से समझा जा सकता है। हालांकि भारत में इस शब्द की कोई कानूनी परिभाषा नहीं है, ऑस्ट्रेलियाई सरकार के मैंमिजल कमिश्नर फेक न्यूज को मनगढ़ंत खबरें बताते हैं जो कुछ खास एजैंडा को सपोर्ट करने के लिए बनाई जाती हैं। भारत में 5 में से 3 इंटरनैट यूजर ऑनलाइन खबरें और जानकारी देखते हैं, इसलिए फेक न्यूज का तेजी से फैलना खास तौर पर चिंता की बात है। 2025 के प्यू रिसर्च सैंटर की एक स्टडी में पाया गया कि सर्वे किए गए 65 प्रतिशत लोगों ने मनगढ़ंत खबरों और जानकारी को एक बड़ी चिंता माना, जो दुनिया भर में सबसे ज्यादा है। फेक न्यूज भारतीय चुनावों की एक ढांचागत खासियत बन गई है। हालांकि वोट ऑफलाइन डाले जाते हैं लेकिन उन वोटों की लड़ाई तेजी से ऑनलाइन हो रही है। 2025 में भारत में 90 करोड़ से ज्यादा इंटरनैट यूजर्स के साथ, कुछ ही क्लिक में सोच को प्रभावित करना और कहानियों को आकार देना मुमकिन हो गया है। इंडियन स्कूल ऑफ बिजनैस और साइबरपीस की एक स्टडी से पता चला कि सभी फेक न्यूज में से 46 प्रतिशत राजनीतिक थीं। फेक न्यूज चुनावों के आसपास चरम पर होती हैं, नैशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो ने 2019 में फेक न्यूज के मामलों में पिछले साल के मुकाबले 70 प्रतिशत की बढ़ौतरी दर्ज की, जो चुनावी साल था। डिजिटल प्लेटफॉर्म, जिनमें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मैसेजिंग ऐप जैसे फेसबुक, एक्स और व्हाट्सएप शामिल हैं, फेक न्यूज को तेजी से फैलाने में मदद करते हैं। एडिट किए गए वीडियो, ए.आई. से बनी तस्वीरें और क्लिप सच और झूठ के बीच का फर्क मिटा देते हैं, जबकि एल्गोरिदम उन्हें वायरल करने में मदद करते हैं। भारत में लगभग 900 प्राइवेट टैलीविजन चौनल हैं और उनमें से लगभग आधे न्यूज चौनल हैं। टैलीविजन की पहुंच अभी भी बहुत ज्यादा है, 23 करोड़ घरों में टी.वी. सैट हैं। हालांकि, हाल के सालों में डिजिटल मोड की तरफ एक बड़ा बदलाव आया है। रॉयटर्स इंस्टीच्यूट की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि 10 में से 7 भारतीय अब ऑनलाइन न्यूज देखना पसंद करते हैं। उनमें से आधे सोशल मीडिया से न्यूज पाते हैं। 55 प्रतिशत न्यूज के लिए यूट्यूब पर, 46 प्रतिशत व्हाट्सएप पर, 37 प्रतिशत इंस्टाग्राम पर और 36 प्रतिशत फेसबुकपर निर्भर हैं। इन मीडिया इस्तेमाल के पैटर्न के बावजूद, अखबार, चाहे वे क्षेत्रीय भाषाओं में हों या अंग्रेजी में, अभी भी विश्वसनीयता के मामले में काफी ऊपर हैं। सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के साथ, इन्फ्लुएंसर का इस क्षेत्र में काफी दबदबा है। ये लोग, जिन्हें मजबूत रिसर्च और प्रोडक्शन टीमों का सपोर्ट मिलता है, उन्होंने अपने पर्सनल ब्रांड इक्विटी के दम पर बड़ी संख्या में फॉलोअर्स बनाए हैं। जेन-जी में, केवल 13 प्रतिशत सैलिब्रिटीज को फॉलो करना पसंद करते हैं और 86 प्रतिशत से ज्यादा इन्फ्लुएंसर को। असल में, इन इन्फ्लुएंसर्ज की पहुंच इतनी महत्वपूर्ण हो गई है कि कई सीनियर नेताओं ने उनसे संपर्क किया है और उन्हें इंटरव्यू दिए हैं। यहां तक कि केंद्र सरकार ने भी इस चौनल को नहीं छोड़ा है। सरकार ने माईगोव पर इन्फ्लुएंसर एजैंसियों को पैनल में शामिल करके इन्फ्लुएंसर्ज के साथ जुड़ाव किया है। 2023 में 4 इन्फ्लुएंसरों को पैनल में शामिल किया गया था, जिनमें से एक के सी.ई.ओ. सत्ताधारी पार्टी के मुखर समर्थक हैं। दक्षिण की एक क्षेत्रीय पार्टी के दिवंगत मुखिया का पार्टी मीटिंग में अपने जाने-पहचाने अंदाज में दिखाई देना। ड्ढ्ढहदी फिल्म इंडस्ट्री के 2 बड़े अभिनेताओं का प्रधानमंत्री की आलोचना करना और सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी का समर्थन करना। ये उस तरह के आटिफिशियल तरीके से बनाए गए, डिजिटल रूप से बदले गए वीडियो हैं, जो पिछले लोकसभा चुनावों से पहले सामने आए थे। डीपफेक ऐसे कंटैंट के लिए तकनीकी शब्द है, जो राजनीतिक पार्टियों और एजैंसियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सबसे शक्तिशाली टूल में से एक बन गया है जो उन्हें कैंपेन डिजाइन करने में मदद करते हैं। इस पर विचार करें। पिछले आम चुनावों के दौरान वोटिंग शुरू होने से 60 दिन पहले, मतदाताओं को 5 करोड़ ए.आई. जैनरेटेड कॉल किए गए थे, जिसमें एक राजनीतिक नेता की आवाज को इस तरह से बनाया गया था कि जैसे वह सीधे मतदाता से बात कर रहा हो। उन्हीं चुनावों के दौरान, मेटा ने 14 ए.आई. जैनरेटेड चुनावी विज्ञापनों को मंजूरी दी, जिनमें मुसलमानों और एक विपक्षी नेता के खिलाफ हिंसा भड़काने की बात कही गई थी।

ट्रम्प किस प्रकार अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन कर रहे हैं

थॉमस मैथ्यू

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का दबदबा उस समय पूरी तरह से प्रदघ्शत हुआ, जब उन्होंने फ्लोरिडा स्थित अपने आवास मार-ए-लागो में मंच पर आकर वेनेजुएला के खिलाफ अमरीकी सैन्य कार्रवाई की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को न्यूयॉर्क में नार्को-आतंकवाद के आरोपों में मुकद्दमे का सामना करने के लिए गिरफ्तार करना एक शानदार हमला था। उन्होंने घोषणा की कि अमरीका देश का शासन चलाएगा और इसके तेल भंडार का उपयोग उन अमरीकी कंपनियों को मुआवजा देने के लिए करेगा, जिनके निगमों का लगभग दो दशक पहले राष्ट्रीयकरण कर दिया गया था। क्या वेनेजुएला में अमरीकी सैन्य कार्रवाई वास्तव में नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए थी? सन 2000 से, मादक पदार्थों की ओवरडोज से लगभग सवा दस लाख अमरीकी नागरिकों की मौत हो चुकी है। लेकिन, इनमें से लगभग 69 प्रतिशत मौतें फेंटानिल के कारण हुईं, जिसके पूर्ववर्ती रसायन चीन में उत्पादित होते हैं। वेनेजुएला अमरीका में कोकीन का एक मामूली स्रोत है। हालांकि, वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है। ट्रम्प की इस घोषणा के बाद कि अमरीकी तेल कंपनियां, जो दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियां हैं, अब दक्षिण अमरीकी देश में प्रवेश करेंगी, उनके इरादों की और पुष्टि की कोई आवश्यकता नहीं रह गई है। वेनेजुएला में अमरीका की कार्रवाई अंतर्राष्ट्रीय कानून का सबसे घोर उल्लंघन है। इस बात पर जोर देने की शायद ही जरूरत है कि इस कार्रवाई ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल अनुच्छेद 2(4) का उल्लंघन किया है, जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मंजूरी या आत्मरक्षा (अनुच्छेद 51) के अलावा किसी भी राज्य की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल के खतरे या उपयोग को प्रतिबंधित करता है। यह घटना अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में शक्ति संतुलन के बिगडने का संकेत देती है। मूल रूप से कई देशों के बीच शांति बनाए रखने के लिए यूरोप द्वारा निर्मित इस व्यवस्था में 20वीं शताब्दी में आमूल-चूल परिवर्तन हुए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, इसने अमरीका और सोवियत संघ को मुख्य भूमिका में रखते हुए एक द्विध्रुवीय संरचना को जन्म दिया। इस दौरान, कोई भी देश बेरोकटोक शक्ति का इस्तेमाल नहीं कर सका। एक देश दूसरे को संतुलित करता रहा, जिससे एक नाजुक शांति बनी रही। वेनेजुएला पर हमले से दिसम्बर, 1971 में बंगलादेश युद्ध के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप में सत्ता के समीकरणों की याद आती है। इसने राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के भारत-विरोधी प्रशासन की साजिशों को नाकाम कर दिया। जब वाशिंगटन ने नई दिल्ली को डराने और आत्मसमर्पण कराने के लिए अमरीकी सातवें बेड़े की टास्क फोर्स टी.एफ.-74 को तैनात किया, तो सोवियत संघ ने क्रूजर, विध्वंसक और पनडुब्बियों की जवाबी तैनाती करके खतरे को बेअसर कर दिया। यह शक्ति संतुलन की अवधारणा के एक विशिष्ट उदाहरण के रूप में एक महाशक्ति द्वारा दूसरी महाशक्ति का प्रतिकार था। इसी तरह, जब 1973 के योम किप्पुर युद्ध में मिस्र की तीसरी सेना पर इसराईल के हाथों विनाश का खतरा मंडराया, तो सोवियत नेता लियोनिद ब्रेझनेव ने हवाई डिवीजनों को तैयार क्षेत्रों में तैनात किया, क्योंकि मिस्र मास्को का करीबी सहयोगी था। चिंतित अमरीका ने डेफकोन-3 (अमरीकी रक्षा तत्परताध्खतरे का अलर्ट) घोषित किया। इसराईल ने आत्मसमर्पण कर दिया और सोवियत चेतावनी ने मिस्र की सेना को बचा लिया। हालांकि, 1991 में सोवियत संघ के पतन के साथ, दुनिया ने अमरीका द्वारा सत्ता के अनियंत्रित दुरुपयोग को चुनौती देने में सक्षम एकमात्र शक्ति खो दी। इससे उत्साहित होकर, वाशिंगटन ने पूर्वनिवारक (प्री-एम्पटिव) युद्ध में शामिल होने का अधिकार प्राप्त कर लिया है। इसने प्रत्यक्ष कार्रवाई या सर्मथित आंदोलनों के माध्यम से ईराक, मिस्र, लीबिया और सीरिया में सरकारों को उखाड़ फैंका है। निकट भविष्य में, केवल चीन ही अमरीका के प्रतिसंतुलन के रूप में उभर सकता है। रूस और चीन के बीच एक ढीला गठबंधन मौजूदा एकध्रुवीय संरचना को चुनौती दे सकता है, हालांकि प्रमुख शक्तियों के बीच मतभेद एक स्थायी सांझेदारी को रोक सकते हैं। अमरीका ने एक बार फिर भारत के सुरक्षा हितों के प्रति अपनी असंवेदनशीलता साबित कर दी है, ऐसे में नई दिल्ली को एक प्रतिसंतुलनकारी शक्ति बनने के लिए अभी लंबा सफर तय करना है। उसे अपने सैन्य-औद्योगिक परिसर के निर्माण और रक्षा को मजबूत करने के लिए एक कल्पनाशील और लीक से हटकर रणनीति विकसित करनी होगी।

टोल पर बदसलूकी मामले में एक्शन, ठेका रद्द

लखनऊ (संवाददाता)। एनएचएआई ने अधिवक्ता के साथ टोल प्लाजा पर मारपीट मामले में कड़ा फैसला लिया है। बाराबंकी के डीएम शशांक त्रिपाठी के हस्तक्षेप के बाद एनएचएआई ने गतौना टोल प्लाजा का ठेका तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है। मामला हैदरगढ़ थाना क्षेत्र के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर स्थित गतौना टोल प्लाजा का है, प्रतापगढ़ से उच्च न्यायालय लखनऊ जाते समय अधिवक्ता रत्नेश शुक्ल के साथ टोल कर्मियों ने मारपीट की थी।घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अधिवक्ताओं में आक्रोश फैल गया और कुछ समय के लिए टोल फ्री कर दिया गया।घटना को गंभीरता से लेते हुए एनएचएआई ने टोल संचालन करने वाली एजेंसी मेसर्स स्काईलार्क इंफ्रा इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है और टोल प्लाजा की 5.3 करोड़ की बैंक गारंटी जब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।एनएचएआई ने अनुबंध के उल्लंघन को देखते हुए एजेंसी को प्राधिकरण की किसी भी बोली में एक वर्ष के लिए प्रतिबंधित कर दिया है।एनएचएआई ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि टोल प्लाजा पर हिंसा, दुर्व्यवहार या अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ऐसी घटनाओं पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ब्लड शुगर कंट्रोल में न रहने के लिए कौन से कारण हैं जिम्मेदार? जान लीजिए इसके पीछे की असली वजह

ब्लड शुगर को नियंत्रित करके मधुमेह जटिलताओं, जैसे किडनी रोग, तंत्रिकाओं की क्षति, दृष्टि से संबंधित समस्याओं, स्ट्रोक और हृदय रोगों से बचा जा सकता है। जिन लोगों के ब्लड शुगर का स्तर अक्सर अनियंत्रित रहता है, उनमें थकान-कमजोरी और नींद की समस्याओं का होना काफी सामान्य है। ब्लड शुगर का स्थिर न रहना कई प्रकार की दिक्कतों का कारण बन सकता है। क्या बार-बार आपका भी शुगर लेवल कम या ज्यादा हो रहा है? समय रहते इसके कारणों का सही निदान और इलाज जरूर करा लें। डॉक्टर कहते हैं, ब्लड शुगर को नियंत्रित करके मधुमेह जटिलताओं, जैसे किडनी रोग, तंत्रिकाओं की क्षति, दृष्टि से संबंधित समस्याओं, स्ट्रोक और हृदय रोगों से बचा जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि आपका आहार स्वस्थ हो और आप शारीरिक रूप से सक्रिय रहें। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पाया कि जिन लोगों के ब्लड शुगर का स्तर अक्सर अनियंत्रित रहता है, उनमें थकान-कमजोरी और नींद की समस्याओं का होना काफी सामान्य है। टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों को ब्लड शुगर स्पाइक के कारणों के बारे में जानना और इससे बचाव के उपाय करते रहना जरूरी है। आइए जानते हैं किन वजहों से ब्लड शुगर लेवल बार-बार कम या ज्यादा होता रहता है और इसे कंट्रोल करने के लिए क्या किया जाना चाहिए?

कहीं आप ज्यादा देर तक डिहाइड्रेटेड तो नहीं रहते?

डिहाइड्रेशन, यानी शरीर में पानी की कमी के कारण ब्लड शुगर का स्तर बढ़ सकता है। शोधकताओं ने पाया कि शरीर में तरल पदार्थों की मात्रा कम होने से हाइपरग्लेसेमिया हो सकता है। रक्त शर्करा बढ़ने पर आपको अधिक पेशाब आ सकता है, जिसके परिणामस्वरूप निर्जलीकरण और भी बढ़ने का जोखिम रहता है। मधुमेह वाले लोगों को हाइड्रेटेड और स्वस्थ रहने के लिए पूरे दिन खूब सारा पानी या अन्य कैलोरी-फ्री पेय पीते रहना चाहिए।

नींद न पूरा होना भी समस्याकारक

अगर आपकी रात में नींद पूरी नहीं हो रही है तो इससे न सिर्फ अगले दिन आपको मूड और ऊर्जा से संबंधित दिक्कतें हो सकती हैं, साथ ही यह आपमें ब्लड शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव का कारण बन सकता है। साल 2015 में प्रकाशित एक समीक्षा के आधार पर निष्कर्ष निकाला कि नींद की कमी टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों में ग्लूकोज नियंत्रण और इंसुलिन संवेदनशीलता में बाधा उत्पन्न कर सकती है।

मासिक धर्म चक्र के कारण भी हो सकती है ये दिक्कत

मासिक धर्म के दौरान पेट में दर्द, सूजन जैसी दिक्कतें होना काफी सामान्य है, पर क्या आप जानते हैं कि यह ब्लड शुगर में स्पाइक का भी कारण बन सकता है? सीडीसी के अनुसार, प्रीमेंस्ट्रुअल फेज के दौरान हार्मोन में परिवर्तन के कारण ब्लड शुगर ज्यादा या कम होता रह सकता है। मधुमेह वाली कुछ महिलाएं पीरियड्स के दौरान इंसुलिन के प्रति कम संवेदनशील हो जाती हैं। इन दिनों आहार और जीवनशैली को ठीक रखना बहुत आवश्यक माना जाता है।

ब्लड शुगर को कैसे करें कंट्रोल?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ सामान्य से उपायों का पालन करके आप ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल में रख सकते हैं।

नियमित व्यायाम, रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में मदद करता है।

तनाव को प्रबंधित करने से भी ब्लड शुगर स्पाइक्स से बचने में मदद मिल सकती है।

आहार में काबोर्हाइड्रेट, जंक-फास्ट फूड्स की मात्रा को कम करें।

शुगर की दवाइयों का नियमित रूप से डॉक्टरी सलाह पर सेवन करते रहें।

बिना माइक्रोवेव कूकीज कैसे बनाएं? घर पर आसानी से बनने वाली कुरकुरी कुकीज

अगर आप घर पर कूकीज बनाना चाहती हैं लेकिन आपके पास माइक्रोवेव या ओवन नहीं है तो भी सरल विधि से कूकीज बनाई जा सकती है, वो भी बिना गैस स्टोव पर। : कूकीज खाना तो सबको पसंद होता है, खासकर बच्चों को। लेकिन बाजार में मिलने वाली कूकीज का अधिक सेवन जेब और स्वास्थ्य दोनों पर असर

डाल सकता है। घर पर बनी कूकीज फ्रेश, बजट फ्रेंडली और लजीज बनती हैं।घर पर बनी कुकीज की खुशबू में जो अपनापन होता है, वह बाजार की किसी भी पैकेट वाली मिठास से बड़ा होता है। लेकिन अक्सर लोग सोचते हैं कि कुकीज बनाने के लिए माइक्रोवेव या ओवन जरूरी है। हालांकि आप बिना माइक्रोवेव, सिर्फ गैस चूल्हे और कढ़ाही से भी स्वादिष्ट और कुरकुरी कुकीज बना सकते हैं। गैस स्टोव पर भी आप आसानी से बाजार जैसे स्वाद वाली कुरकुरी कूकीज बना सकते हैं। यहां बिना माइक्रोवेव कूकीज बनाने की सरल विधि बताई जा रही है, जिसे अपनाकर आप घर पर बाजार जैसी कूकीज आसानी से बना सकते हैं।

बिना माइक्रोवेव कुकीज बनाने की सरल विधि

कूकीज बनाने के लिए सामग्री

मैदा- 1 कप

मक्खन- आधा कप

पिसी चीनी- आधा कप

बेकिंग पाउडर- आधा छोटा चम्मच

वनीला एसेंस -कुछ बूंदें

चॉकलेट चिप्स या ड्राई फ्रूट्स- इच्छानुसार

कूकीज बनाने की विधि

स्टेप 1- एक बाउल में मक्खन और चीनी को हल्का व क्रीमी होने तक फेंटें।

स्टेप 2- इसमें वनीला एसेंस मिलाएं।

स्टेप 3- अब मैदा और बेकिंग पाउडर छानकर डालें और मुलायम आटा गूंथ लें।

स्टेप 4- आटे से छोटी-छोटी गोल टिक्कियां बनाएं।

स्टेप 5- एक भारी तली की कढ़ाही में नीचे नमक की परत बिछाएं और स्टैंड रखें।

स्टेप 6- प्लेट पर कुकीज रखकर ढक दें और धीमी आंच पर 20झ25 मिनट पकाएं।

स्टेप 7- ठंडा होने पर कुकीज अपने आप कुरकुरी हो जाएंगी।

ध्यान रखें कूकीज बनाते समय आंच तेज न करें, वरना कुकीज ऊपर से जल सकती हैं और अंदर से कच्ची रह जाएंगी।

कहां बाइक ट्रिप करना है और कहां नहीं? सफर से पहले जानें

घूमने का शौक रखने वाले रेल या हवाई यात्रा से आगे बढ़कर बाइक ट्रिप को अपनाने लगे हैं। खासकर युवा यात्री एडवेंचर्स ट्रिप के लिए बाइक यात्रा करना पसंद करते हैं। बाइक ट्रिप सिर्फ यात्रा नहीं होती, यह खुद से मिलने का सफर होती है। खुली सड़क, ठंडी हवा और इंजन की आवाज, यही वह अनुभव है जो बाइक ट्रिप को युवाओं की पहली पसंद बनाता है। बाइक ट्रिप जितनी रोमांचक है, उतनी ही अनुशासन और समझ भी मांगती है। सही तैयारी हो तो यह यादगार बनती है, और लापरवाही हो तो जोखिम भरी। सबसे पहले तो ये जानना होगा कि लोग बाइक ट्रिप क्यों पसंद करते हैं ? इसके क्या फायदे होते हैं, साथ ही बाइक यात्रा के दौरान क्या क्या सावधानियां बरतनी चाहिए। जैसे बाइक यात्रा के लिए कहां जाना चाहिए और कहां नहीं जाना चाहिए।

बाइक ट्रिप के फायदे

इस तरह की ट्रिप में आजादी और फ्लेक्सिबिलिटी है। जहां मन किया रुक गए, जहां चाहा मुड़ गए बाइक ट्रिप पर कोई टाइमटेबल नहीं चलता।

बाइक से बजट में यात्रा की जा सकती है। बस, ट्रेन या फ्लाइट की तुलना में बाइक ट्रिप काफी सस्ती पड़ती है।

टू व्हीलर से यात्रा के दौरान नेचर को करीब से अनुभव किया जा सकता है। पहाड़, गांव, जंगल और समुद्र, सब कुछ बहुत करीब से देखने

को मिलता है।

इस तरह की यात्रा से मानसिक सुकून मिलता है। लंबी राइड तनाव कम करती है और आत्मविश्वास बढ़ाती है।

इस ट्रिप में दोस्ती और बॉन्डिंग बनती है। ग्रुप बाइक ट्रिप रिश्तों को मजबूत बनाती है।

बाइक ट्रिप पर जाते समय जरूरी सावधानियां

सेफ्टी गियर अनिवार्य: हेलमेट, ग्लव्स, जैकेट और घुटने की गार्ड

बाइक की पूरी सर्विस ट्रिप से पहले जरूर कराएं

रात में लंबी राइड से बचें, खासकर अनजान रास्तों पर

मौसम की जानकारी पहले लें

ज्यादा तेज रफ्तार और ओवरटेकिंग से बचें

जरूरी डॉक्यूमेंट और फर्स्ट एड किट रखें

कहां बाइक ट्रिप पर जाना चाहिए?

लद्दाख और स्पीति वैली (मईझ सितंबर)

ऋषिकेशझमसूरीझचकराता

गोवा और कोंकण कोस्ट रोड

राजस्थान का डेजर्ट सर्किट

महाराष्ट्र का साद्री रूट

ये जगहें बाइकर्स के लिए सुविधाजनक, सुंदर और अपेक्षाकृत सुरक्षित मानी जाती हैं।

कहां बाइक ट्रिप से बचना चाहिए?

भारी बारिश में पहाड़ी इलाके (लैंडस्लाइड का खतरा)

नक्सल प्रभावित क्षेत्र

बहुत ज्यादा ट्रैफिक वाले हाईवे

अकेले अनजान बॉर्डर एरिया

बहुत ठंड या बर्फबारी के समय हाई-एल्टीट्यूड रोड्स यहां रोमांच से ज्यादा जोखिम होता है।

हेल्दी रहना हो या फिर चाहिए लंबी उम्र, प्रोटीन नहीं ये न्यूट्रिएंट है असली गेमचेंजर

प्रोटीन के साथ-साथ फाइबर को भी डॉक्टर अच्छी सेहत का सबसे भरोसेमंद दोस्त मानते हैं, क्योंकि यह पाचन से लेकर दिल और शुगर कंट्रोल तक अहम भूमिका निभाता है। नियमित रूप से पर्याप्त फाइबर लेने वाले लोगों में कई गंभीर बीमारियां कम देखी जाती हैं। अच्छी सेहत और लंबी उम्र कैसे प्राप्त करें, ये दो सवाल अक्सर हम सभी के मन में रहते हैं। अगर आप भी शरीर को स्वस्थ रखना चाहते हैं और 100 साल की उम्र चाहते हैं तो डॉक्टर इसके लिए दो सबसे आसान फॉमूर्ला बताते हैं। वह है- लाइफस्टाइल में सुधार और हेल्दी डाइट। कई अध्ययन इस बात को प्रमाणित कर चुके हैं कि अगर हम सभी सिर्फ अपनी डाइट को ही ठीक कर लें तो इससे कई तरह की बीमारियों का खतरा कम हो सकता है। असल में शरीर को सही तरीके से चलाने के लिए सिर्फ कैलोरी ही नहीं, बल्कि संतुलित पोषण की भी जरूरत होती है। पोषक तत्व जैसे काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, मिनरल और फाइबर ये सभी मिलकर शरीर की हर प्रणाली को बेहतर ढंग से

संचालित करते हैं। अच्छी डाइट की बात होते ही अधिकतर लोगों के दिमाग में सबसे पहले प्रोटीन का ही ख्याल आता है। हालांकि डॉक्टर कहते हैं, सिर्फ प्रोटीन ही हमारे लिए काफी नहीं है। 100 साल तक जीने की इच्छा है तो आहार में फाइबर वाली चीजों की मात्रा भी बढ़ा दें।

लंबी आयु पाने के लिए फाइबर वाली चीजें जरूर खाएं

फिजीशियन और लॉन्गविटी डॉक्टर वैसिली एलियोपोलोस ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि कैसे डाइट में सुधार करके लंबी उम्र पाई जा सकती है? डॉ कहते हैं, प्रोटीन से भरपूर आहार को लंबे समय से सेहत के लिए सबसे जरूरी बताया जा रहा है। प्रोटीन हमारे लिए निश्चित ही जरूरी है पर न्यूट्रिशन साइंस बदल रहा है और अब फाइबर नए हीरो के रूप में उभर रहा है। हमारी डाइट में फाइबर वाली चीजें भी जरूर होनी चाहिए। ये सिर्फ पाचन को ही नहीं ठीक रखती है बल्कि कई ऐसी बीमारियों से आपको बचाए रख सकती है जो अक्सर समय से पहले मृत्यु का कारण बनती हैं।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

डॉ. कहते हैं, जब लंबे समय तक शरीर को स्वस्थ रखने और लंबी उम्र पाने की बात होती है तो फाइबर को सबसे जरूरी न्यूट्रिशियन कहा जा सकता है।

हर कोई प्रोटीन के पीछे भाग रहा है, लेकिन फाइबर असल में आपके लिए सबसे आवश्यक है। फाइबर शायद सबसे चर्चित और लंबी उम्र वाला न्यूट्रिएंट है जिसे हम सभी अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।

इंफ्लामेशन दूर कर बीमारियों से बचाता है फाइबर

डॉक्टर कहते हैं, गट हेल्थ और संपूर्ण स्वास्थ्य में सुधार के लिए फाइबर की हमें जरूरत होती है। असल में जो भोजन हम सभी पचा नहीं पाते हैं वो हमारे गट माइक्रोब्स खाते हैं। ये माइक्रोब्स फाइबर को पावरफुल कंपाउंड में बदलते हैं, जो शरीर की रक्षा करते हैं।

फाइबर हमारे शरीर में शॉर्ट-चेन फैटी एसिड में बदल जाता हैं, जो शरीर में नेचुरल एंटी-इंफ्लेमेटरी के रूप में काम करता है। इससे शरीर में इंफ्लामेशन कम होता है और बीमारियों से बचाव होता है। क्रॉनिक इन्फ्लेमेशन को गंभीर बीमारियों का कारण माना जाता है।

फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे ओवरईटिंग की आदत कम होती है।

इसके अलावा यह बैड कोलेस्ट्रॉल को घटाने में मदद करता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम होता है।

एक वयस्क व्यक्ति को रोजाना लगभग 25 से 35 ग्राम फाइबर की जरूरत होती है।

साबुत अनाज, दालें, फल, हरी सब्जियां, बीज और नट्स फाइबर के बेहतरीन स्रोत हैं।

कुछ ही दिनों में दिखने लगता है असर

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, थाली में फाइबर वाली चीजों की मात्रा बढ़ाने के कुछ ही हफ्तों में लोग एनर्जी, बेहतर डाइजेशन और बेहतर फोकस महसूस करना शुरू कर देते हैं। प्रोटीन मसल्स बनाता है, लेकिन फाइबर आपको लंबी उम्र देता है और बीमारियों से बचाता है इसलिए फाइबर वाली चीजों को हल्के में लेने की भूल नहीं करनी चाहिए।

मौनी अमावस्या 2026: 18 जनवरी को 2 बड़े शुभ संयोग, इन कामों से मिलेगा पुण्य

माघ माह की कृष्ण पक्ष की अमावस्या को माघी अमावस्या या मौनी अमावस्या कहा जाता है। इस साल यह अमावस्या रविवार, 18 जनवरी 2026 को पड़ रही है। ज्योतिष शास्त्र में मौनी अमावस्या का विशेष महत्व माना गया है। इस दिन पितरों के लिए श्राद्ध करना, पवित्र नदी में स्नान करना और दान-पुण्य करना शुभ माना जाता है।

मौनी अमावस्या का महत्व

मौनी अमावस्या का शाब्दिक अर्थ है, मौन रहने वाली अमावस्या।

इस दिन मौन व्रत रखने, ध्यान और पूजा करने का विधान है। यह दिन पवित्रता, तप और आत्मशुद्धि का प्रतीक माना जाता है। श्रद्धालु इस दिन संगम या अन्य नदियों में स्नान करके पुण्य अर्जित करते हैं।

तिथि और समय

मौनी अमावस्या 17 जनवरी रात 12.05 बजे से शुरू होकर 18 जनवरी 1.22 बजे तक रहेगी। सूर्य और चंद्रमा मकर राशि में मिलकर इस दिन का महत्व और बढ़ाते हैं।

विशेष योग

इस बार मौनी अमावस्या पर तीन प्रमुख योग हैं

सर्वार्थ सिद्ध योगः 18 जनवरी 10.14 से शुरू, अगले दिन 7.31 तक।

हर्षण योगः पूरे दिन।

शिववास योगः पूरे दिन।

साथ ही, पूर्वा साढ़ा और उत्तराषाढ़ा नक्षत्र का योग भी बन रहा है, जो पूजा, दान, जप, तप और ध्यान के लिए बहुत शुभ माने जाते हैं।

मौनी अमावस्या पर क्या करें

स्नानः सुबह जल्दी उठकर पवित्र नदी में स्नान करें। अगर नदी में नहीं जा सकते, तो घर पर गंगाजल मिलाकर स्नान करें।

दान-पुण्यः तेल, कंबल, दूध, चीनी, अनाज या पैसे का दान करें। पशु-पक्षियों को भोजन कराना भी शुभ माना जाता है।

मौन व्रतः जितना संभव हो, दिन भर मौन रहें। गृहस्थ लोग पूजा-पाठ के बाद थोड़ी देर में मौन व्रत खोल सकते हैं।

सूर्य देवता को अर्घ्यः स्नान के बाद सूर्य को अर्घ्य दें।

उपवासः इस दिन व्रत करने से विशेष पुण्य मिलता है।

ध्यान और जपः मंत्र का जाप करें

ॐ आद्य-भूताय विद्महे सर्व-सेव्याय धीमहि,

शिव-शक्ति-स्वरूपेण पितृ-देव प्रचोदया

इसे 108 बार जपने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है।

क्या ना करें

मांस, मदिरा और तामसिक भोजन का सेवन न करें। झूठ बोलने से बचें। नकारात्मक विचारों और भावनाओं को अपने अंदर न आने दें।देर तक सोने से बचें। मौनी अमावस्या 2026 18 जनवरी को दो बड़े शुभ योगों के साथ पड़ रही है। इस दिन पवित्र स्नान, दान-पुण्य, मौन व्रत और पूजा करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और जीवन की परेशानियों से मुक्ति मिलती है।

किन लोगों को आंवला नहीं खाना चाहिए? जानिए सेहत को होने वाले नुकसान

आंवला (।उसं) को आयुर्वेद में अमृत के समान माना गया है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर पाए जाते हैं, जो इम्युनिटी बढ़ाने से लेकर पाचन सुधारने तक कई फायदे देते हैं। लेकिन हर चीज हर व्यक्ति के लिए फायदेमंद हो, यह जरूरी नहीं। कुछ खास स्थितियों में आंवला से फायदे से ज्यादा नुकसान भी हो सकता है। आइए जानते हैं किन लोगों को आंवला नहीं खाना चाहिए और किन हालात में इसका सेवन नुकसानदायक हो सकता है।

एसिडिटी या गैस की समस्या में

जिन लोगों को बार-बार एसिडिटी, हार्टबर्न या पेट में जलन की शिकायत रहती है, उन्हें आंवला खाने से बचना चाहिए।

आंवला नेचर से एसिडिक होता है

इससे पेट की जलन और एसिडिटी बढ़ सकती है

ज्यादा सेवन से पेट की अंदरूनी परत को नुकसान पहुंच सकता है।

हाल ही में सर्जरी हुई हो

अगर किसी की हाल ही में सर्जरी हुई है, तो आंवला खाने से परहेज जरूरी है।

ज्यादा आंवला खाने से ब्लीडिंग का खतरा बढ़ सकता है

इससे घाव भरने की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है

डॉक्टर सर्जरी से कम से कम 2 हफ्ते पहले आंवला बंद करने की सलाह देते हैं।

लो ब्लड शुगर के मरीज

आंवला ब्लड शुगर को कम करने में मदद करता है, इसलिए

जिन लोगों को (हाइपोग्लाइसीमिया) की समस्या रहती है

उनके लिए आंवला शुगर लेवल को और ज्यादा गिरा सकता है

ऐसे मरीज डॉक्टर की सलाह के बिना आंवला न लें।

प्रेग्नेंसी और ब्रेस्टफीडिंग में

गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान आंवला का ज्यादा सेवन नुकसानदेह हो सकता है।

पेट खराब और डायरिया हो।

शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन)

इसलिए प्रेग्नेंट और ब्रेस्टफीडिंग महिलाओं को आंवला सीमित मात्रा में या पूरी तरह से अवॉयड करना चाहिए।

दुर्योधन वध, परीक्षित जन्म की कथा सुनाई गई, भागवत कथा का दूसरा दिन

लखनऊ /बांदा (संवाददाता)। मूंगुस के श्री सिंह वाहिनी मंदिर में चल रही सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन दुर्योधन वध और परीक्षित जन्म की कथा सुनाई गई। कथा व्यास पंडित श्री कृष्ण बिहारी तिवारी जी ने श्रद्धालुओं को कथा का श्रवण कराया। पंडित तिवारी ने दुर्योधन वध की कथा सुनाते हुए बताया कि महाभारत के 17 दिन पूरे होने के बाद अंतिम दिन माता गांधारी ने दुर्योधन को स्नान कर निर्वस्त्र उनके पास आने का आदेश दिया था। दुर्योधन अपनी मां की आज्ञा मानकर स्नान के बाद गांधारी के पास जा रहा था। रास्ते में भगवान श्री कृष्ण ने उसे रोका और कहा कि पूर्ण निर्वस्त्र अवस्था में मां के सामने जाने से तुम्हें लज्जा नहीं आएगी? दुर्योधन ने उत्तर दिया कि यह मां की आज्ञा है। तब श्री कृष्ण ने उसे अपने निजी अंगों पर कुछ ढक कर जाने की सलाह दी, क्योंकि वह अब छोटा नहीं, बड़ा हो गया था। भगवान श्री कृष्ण की बात मानकर दुर्योधन ने अपनी कमर पर केले का पत्ता लपेट लिया। जब वह माता गांधारी के सामने पहुंचा, तो उन्होंने अपनी आंखों से पट्टी खोलकर उसे देखा। गांधारी ने कहा कि उनकी दृष्टि शरीर के जिस-जिस हिस्से पर पड़ी है, वह वज्र का हो गया है।

यूपी वॉरियर्स ने मुंबई इंडियंस को दिए तीन झटके, स्कोर 40 के पार; हरमनप्रीत क्रीज पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का 10वां मुकाबला यूपी वॉरियर्स और मुंबई इंडियंस के बीच जारी है। मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। यह मैच नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जा रहा है। महिला प्रीमियर लीग का 10वां मुकाबला यूपी वॉरियर्स और मुंबई इंडियंस के बीच नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जा रहा है। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस की पारी जारी है। फिलहाल क्रीज पर कप्तान हरमनप्रीत कौर और निकोला कैरी मौजूद हैं। यूपी ने मुंबई के सामने 188 रन का लक्ष्य रखा है। टीम ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 187 रन बनाए। मुंबई को लगे शुरूआती झटके लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस को शुरूआती झटके लगे। हीली मैथ्यूज को सोफी एक्लेस्टोन ने आउट किया। मैथ्यूज 13 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 13 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद क्रांति गौड़ ने सजीवन संजना को पवेलियन भेजा जो छह गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 10 रन बनाकर आउट हुईं। फिर नताली सिवर ब्रंट भी 15 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। लैनिंग-लिचफील्ड की शानदार साझेदारी यूपी वॉरियर्स को पहले ही ओवर में शुरूआती झटका लगा। निकोला कैरी ने किरण नवगिरे को बोल्ड कर आउट किया। किरण खाता खोले बिना पवेलियन लौटीं। शुरूआती झटका लगने के बाद कप्तान मेग लैनिंग ने फीबी लिचफील्ड के साथ मिलकर यूपी वॉरियर्स की पारी को संभाला। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी हुई। लैनिंग और लिचफील्ड ने दूसरे विकेट के लिए 119 रन जोड़े और टीम को मजबूत स्थिति पर पहुंचाया। इस दौरान लैनिंग ने अर्धशतक भी पूरा किया। अमनजोत कौर ने लिचफील्ड को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। लिचफील्ड 37 गेंदों पर सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से 61 रन बनाकर आउट हुईं। लिचफील्ड के आउट होने के कुछ देर बाद लैनिंग भी पवेलियन लौट गईं। उन्होंने 45 गेंदों पर 11 चौकों और दो छक्कों की मदद से 70 रन बनाए। केर ने झटके तीन विकेट इसके बाद हरलीन देओल ने क्लो ट्रियोन के साथ मिलकर टीम को संभाला। दोनों के बीच अच्छी साझेदारी पनप रही थी, लेकिन नताली ने ट्रियोन को आउट किया। ट्रियोन 13 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 21 रन बनाकर आउट हुईं। इसके अगली ही गेंद पर ब्रंट ने श्वेता सहरावत को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। यूपी वॉरियर्स के लिए हरलीन देओल ने 25 और सोफी एक्लेस्टोन ने एक रन बनाए। वहीं, मुंबई के लिए अमेलिया केर ने तीन विकेट लिए, जबकि नेट शीवर ब्रंट को दो विकेट मिले। इसके अलावा निकोला कैरी, हीली मैथ्यूज और अमनजोत कौर ने एक-एक विकेट लिया। मुंबई ने जीता टॉस मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। यह मैच नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जा रहा है। एमआई की कप्तान हरमनप्रीत ने टॉस के दौरान बताया कि उन्होंने प्लेइंग-11 में दो बदलाव किया है। पूनम की जगह क्रांति रेड्डी खेल रही हैं। वहीं, हेली मैथ्यूज की भी एंट्री हुई है। वहीं, यूपी की कप्तान मेग लैनिंग ने कहा कि उनकी प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं है। दोनों टीमों की प्लेइंग-11ः यूपी वॉरियर्सः किरण नवगिरे, मेग लैनिंग (कप्तान), फीबी लिचफील्ड, हरलीन देयोल, श्वेता सहरावत (विकेटकीपर), क्लो ट्रियोन, दीप्ति शर्मा, सोफी एक्लेस्टोन, आशा सोभना जॉय, शिखा पांडे, क्रांति गौड़। मुंबई इंडियंसः हेली मैथ्यूज, गुनालन कमलिनी (विकेटकीपर), अमेलिया केर, नेट शीवर-ब्रंट, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), अमनजोत कौर, निकोला केरी, सजीवन सजना, संस्कृति गुप्ता, क्रांति रेड्डी, त्रिवेणी वशिष्ठ।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मार्टिन ने प्रशंसकों का जताया आभार, स्वास्थ्य को लेकर दी जानकारी

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डेमियन मार्टिन ने एक्स पर अपने स्वास्थ्य को लेकर अपडेट दिया है। मार्टिन को अब अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डेमियन मार्टिन को मेनिन्जाइटिस से उबरने के बाद शनिवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मार्टिन 27 दिसंबर 2025 को बीमार पड़ गए थे और उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में कृत्रिम कोमा में रखना पड़ा था, लेकिन

जनवरी के पहले सप्ताह में उनमें सुधार के लक्षण दिखाई देने लगे थे। अब वह इस मुश्किल दौर से बाहर निकल आए हैं और उन्होंने अपने शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया। कोमा में चले गए थे मार्टिन दाएं हाथ के 54 साल के इस पूर्व बल्लेबाज ने 67 टेस्ट मैच खेले। वह अस्पताल में कोमा में थे। उनकी हालत तेजी से बिगड़ गई और उन्हें गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में रखा गया था। कई दिनों तक गंभीर हालत में रहने के बाद, मार्टिन पिछले सप्ताह कोमा से बाहर आए और उन्होंने प्रतिक्रिया देना और बोलना शुरू कर दिया, जिससे उनके परिवार, दोस्तों और क्रिकेट जगत को अपार राहत मिली। उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और वे अपने स्वास्थ्य लाभ के लिए घर लौट आए हैं। मार्टिन ने एक्स पर लिखा, वर्ष 2026 का स्वागत है। मैं अस्पताल से घर आ गया हूं। मैं उन सभी लोगों का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने इस दौरान मेरा और मेरे परिवार का साथ दिया। इस अनुभव से मुझे पता चला कि जीवन कितना क्षणभंगुर है। सब कुछ कितनी जल्दी बदल सकता है और समय कितना अमूल्य है। मार्टिन का करियर डार्विन में जन्मे मार्टिन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 1992-93 की सीरीज में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने आखिरी टेस्ट एशेज 2006-07 में खेला जिसके बाद वह कमेंट्री करने लगे। उन्होंने 208 वनडे में 40.8 की औसत से रन बनाये और 1999 तथा 2003 विश्व कप विजेता ऑस्ट्रेलिया टीम के सदस्य थे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन कल से; जोकोविच की निगाह 25वें ग्रैंडस्लैम पर, अल्काराज-सिनर से मिलेगी टक्कर

मेलबर्न (एजेंसी)। दस बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन जोकोविच सोमवार को रॉड लेवर एरिना में स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेंगे। नोवाक जोकोविच को अब भी पूरा भरोसा है कि वह अपना 25वां एकल ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने में सफल रहेंगे और उन्हें उम्मीद है कि रविवार से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में वह कार्लोस अल्काराज और यानिक सिनर की कड़ी चुनौती से पार पाने में सफल रहेंगे। जोकोविच पिछले साल चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे थे लेकिन वह अल्काराज और सिनर की चुनौती से पार पाने में असफल रहे थे। वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में एक बार फिर से यह दोनों युवा खिलाड़ी उनकी राह में सबसे बड़ी बाधा बन सकते हैं। जोकोविच ने क्या कहा? जोकोविच ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन की पूर्व संध्या पर कहा, '2025 में मैंने सिनर या अल्काराज के खिलाफ खेले गए चार ग्रैंड स्लैम मैच में से तीन में हार का सामना किया।' उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'हमें उनकी ज्यादा तारीफ करने की जरूरत नहीं है। उनकी तारीफ पहले ही काफी हो चुकी है। हम जानते हैं कि वे कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। वे उस मुकाम के हकदार हैं जहां वे अभी हैं। वे इस समय पुरुष टेनिस में सबसे मजबूत खिलाड़ी हैं।' फिट रहना चाहते हैं जोकोविच जोकोविच अपने 25वें ग्रैंड स्लैम एकल खिताब की तलाश में तीसरा सत्र शुरू कर रहे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए अपने दृष्टिकोण में थोड़ा बदलाव किया है। उन्होंने अपने एकमात्र निर्धारित अभ्यास टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया,

क्योंकि वह युवा खिलाड़ियों का सामना करने के लिए पूरी तरह से फिट रहना चाहते हैं। जोकोविच ने 2023 में जीता था पिछला खिताब यह 38 वर्षीय खिलाड़ी खुद को मुकाबले में बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। जोकोविच ने आखिरी बार 2023 में अमेरिकी ओपन के रूप में कोई ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। तब से सिनर और अल्काराज ने आठ खिताब आपस में बांटे हैं। सिनर ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पिछले दो बार के चैंपियन हैं जबकि अल्काराज मेलबर्न पार्क में खिताब जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। सिनर और अल्काराज फॉर्म में चल रहे जोकोविच ने पिछले साल इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अल्काराज को हराया था लेकिन सेमीफाइनल में हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण उन्हें मैच बीच में ही छोड़ना पड़ा था। जोकोविच ने कहा, 'सिनर और अल्काराज इस समय बाकी सभी खिलाड़ियों से बिल्कुल अलग स्तर पर खेल रहे हैं। यह एक सच्चाई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि किसी और के पास कोई मौका नहीं है। मुझे हमेशा अपनी जीत की उम्मीद रहती है।' दस बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन जोकोविच सोमवार को रॉड लेवर एरिना में स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेंगे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले विराट कोहली ने लिया महाकाल का आशीर्वाद; कुलदीप भी साथ दिखे

उज्जैन (एजेंसी)। विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ निर्णायक वनडे से पहले उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की। कोहली की हालिया फॉर्म उन्हें क्ळउ रैंकिंग में नंबर-1 पर ले आई है। दूसरे मैच में नाकाम रहने के बाद अब इंदौर में उनसे एक और बड़ी पारी की उम्मीद है। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक वनडे से पहले उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन किए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कोहली को पुजारियों के साथ चलते और 'जय श्री महाकाल' बोलते हुए देखा गया। उनकी यह आध्यात्मिक यात्रा इसलिए चर्चा में आ गई क्योंकि सीरीज 1-1 से बराबर है और तीसरा मैच 18 जनवरी को इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जाना है। सीरीज में शानदार फॉर्म कोहली पिछले कुछ समय से बेहतरीन फॉर्म में हैं। वडोदरा में खेले गए पहले वनडे में उन्होंने 93 रनों की मैच-विनिंग पारी खेलकर टीम

को बढ़त दिलाई। हालांकि, दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने सात विकेट से जीतकर सीरीज बराबर कर दी, जिससे तीसरे मैच का रोमांच बढ़ गया। ऐसे में कोहली का उज्जैन पहुंचना फैंस के बीच एक दिलचस्प विषय बन गया। आईसीसी रैंकिंग में फिर नंबर-एक लगातार रन बनाते हुए कोहली ने कई रिकॉर्ड्स फिर से जीवंत कर दिए हैं। न्यूजीलैंड सीरीज में शानदार शुरूआत के बाद वह आईसीसी पुरुष वनडे बैटिंग रैंकिंग में जुलाई 2021 के बाद पहली बार नंबर-एक पर लौट आए। यह 11वीं बार है जब कोहली शीर्ष पर पहुंचे हैं। पिछले छह मैचों में उनका प्रदर्शन अद्भुत रहा है। उनके हालिया स्कोर- 23, 93, 135, 102, 65* और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 74* रन हैं। भारी रिकॉर्ड, भारतीयों में सबसे चैम्पियन कोहली ने अक्तूबर 2013 में पहली बार रैंकिंग का शीर्ष स्थान हासिल किया था। अब तक वह 825 दिन नंबर-एक पर रह चुके हैं, जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज के लिए सबसे ज्यादा है। यह आंकड़ा उन्हें ऑल-टाइम लिस्ट में 10वें स्थान पर रखता है, जहां शीर्ष पर वेस्टइंडीज के महान विवियन रिचर्ड्स (2,306 दिन) मौजूद हैं। दूसरे वनडे में चूके, तीसरे में उम्मीद न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में कोहली बड़ी पारी नहीं खेल सके और 23(29) पर आउट हुए। उन्होंने दो चौके लगाए लेकिन क्रिस्टियन क्लार्क की गेंद अंदरूनी किनारा लेकर स्टंप्स से टकरा गई। अब जब सीरीज दांव पर है, भारतीय टीम को कोहली से उसी तरह की मैच-विनिंग पारी की उम्मीद है जैसी उन्होंने पहले मैच में खेली थी। मौजूदा सीरीज के बाद कोहली भारत के लिए अगला अंतरराष्ट्रीय मैच जून में खेलेंगे।

विप्रो का तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ सात प्रतिशत गिरकर 3,119 करोड़ रुपये हुआ, जानिए आंकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में आईटी सेवाओं से जुड़ी प्रमुख कंपनी विप्रो ने अपनी तीसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। कंपनी के आंकड़े क्या कहते हैं, आइए विस्तार से जानिए। आईटी सेवाओं की प्रमुख कंपनी विप्रो ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी के समेकित शुद्ध लाभ में 7 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह घटकर 3,119 करोड़ रुपये रह गया। यह गिरावट एकमुश्त पुनर्गठन शुल्क और श्रम संहिता के कार्यान्वयन के कारण हुई है। बेंगलुरु स्थित इस कंपनी ने पिछले वर्ष की समान अवधि में

3,353.8 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ (कंपनी के इक्विटी धारकों को देय) दर्ज किया था। विप्रो ने नई श्रम संहिता के लागू होने से 302.8 करोड़ रुपये का एकमुश्त असर दिखा। विप्रो की बड़ी प्रतिद्वंद्वी कंपनियां- टीसीएस, इंफोसिस और एचसीएलटेक- भी वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में अपने नतीजों में नए श्रम कानूनों से काफी प्रभावित हुई हैं। टीसीएस को 2,128 करोड़ रुपये, इंफोसिस को 1,289 करोड़ रुपये और एचसीएलटेक को 719 करोड़ रुपये के वैधानिक प्रभाव का सामना करना पड़ा। अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में विप्रो को पुनर्गठन प्रक्रिया के चलते 263 करोड़ रुपये का एकमुश्त लागत प्रभाव भी झेलना पड़ा, जो अब पूरी हो चुकी है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में विप्रो का परिचालन राजस्व 5.5 प्रतिशत बढ़कर 23,555.8 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 22,318.8 करोड़ रुपये था। तिमाही आधार पर विप्रो का मुनाफा 3.9 प्रतिशत गिर गया, जबकि राजस्व में 3.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 31 मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए, विप्रो को अपने आईटी सेवा व्यवसाय खंड से राजस्व 2,635 मिलियन अमेरिकी डॉलर से 2,688 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बीच रहने की उम्मीद है, जो स्थिर मुद्रा में 0-2 प्रतिशत की क्रमिक वृद्धि को दशार्ता है। विप्रो ने ल्अफ्टअठ की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सॉल्यूशंस (उ्ळ) बिजनेस यूनिट का 375 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 3,270 करोड़ रुपये) में अधिग्रहण पूरा किया। ल्अफ्टअठ सैमसंग की एक कंपनी है। विप्रो के सीईओ और एमडी श्रीनि पल्लिया ने कहा कि कंपनी खुद को 'एआई-फर्स्ट वर्ल्ड' के लिए तैयार कर रही है क्योंकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता वैश्विक संगठनों के लिए बोर्ड स्तर पर एक स्थायी जनादेश बन रही है।

एशियाई मुक्केबाजी परिषद के सदस्य बने विजेंद्र सिंह, खेल प्रशासक बनने की ओर बढ़ाए कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दिग्गज मुक्केबाज विजेंद्र सिंह ने खेल प्रशासक बनने की ओर कदम बढ़ाए हैं। विजेंद्र को एशियाई मुक्केबाजी परिषद में सदस्य बनाया गया है। भारतीय मुक्केबाजी के दिग्गज विजेंदर सिंह को एशियाई मुक्केबाजी परिषद में सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है, जो एक शीर्ष खिलाड़ी से वैश्विक खेल प्रशासक बनने के उनके सफर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विजेंदर भारत के पहले ओलंपिक मुक्केबाज हैं, जिनके पास एमेच्योर और पेशेवर मुक्केबाजी दोनों में खेल के सर्वोच्च स्तर पर खेलने का लगभग दो दशकों का अनुभव है। एशियाई मुक्केबाजी परिषद में उनकी

नियुक्ति खेल की उनकी गहरी समझ और पूरे महाद्वीप में इसके विकास के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती है। विजेंद्र ने जताई खुशी विजेंदर ने कहा, एशियाई मुक्केबाजी परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त होने पर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। इस जिम्मेदारी को मुझे सौंपने के लिए मैं भारतीय मुक्केबाजी महासंघ और उसके नेतृत्व का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। उम्मीद है कि मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से इस भूमिका को निभाऊंगा। जिस तरह हमने बीजिंग में इतिहास रचा, उसी तरह मैं एशिया में मुक्केबाजी के विकास के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैं विशेषकर भारतीय मुक्केबाजों पर ध्यान देने और भविष्य में हमारे खिलाड़ियों को और अधिक सफलता हासिल करने में मदद करने के लिए भी प्रतिबद्ध हूं। क्या है एशियाई मुक्केबाजी परिषद? एशियाई मुक्केबाजी परिषद पूरे क्षेत्र में खेल के प्रतिस्पर्धी और विकास ढांचे को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विजेंदर भारत की सबसे प्रसिद्ध खेल हस्तियों में से एक हैं। उन्होंने 2008 के बीजिंग ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक तथा राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में कई पदक जीते हैं। उन्होंने बाद में पेशेवर मुक्केबाजी में भी अच्छी सफलता हासिल की।

जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बन 10 वर्षों में भारत ने बदली तस्वीर, चुनौती को अवसर में बदला

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल स्टार्टअप डे के अवसर पर जिस आत्मविश्वास के साथ युवाओं की जोखिम लेने की क्षमता की सराहना की, वह बदलते भारत की आर्थिक सोच को स्पष्ट रूप से दशार्ता है। उनका यह कहना कि देश के लिए आवश्यक कामों में किसी न किसी को जोखिम उठाना ही होगा और यदि नुकसान भी हो तो वह व्यक्तिगत होगा जबकि लाभ देश का। दरअसल इसी दर्शन ने भारत के स्टार्टअप आंदोलन को नैतिक और वैचारिक आधार दिया है। स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक भारत का युवा वर्ग नौकरी खोजने वाला वर्ग माना गया लेकिन बीते एक दशक में यह सोच निर्णायक रूप से बदली है। आज भारत का युवा केवल रोजगार का आकांक्षी नहीं बल्कि रोजगार सृजन करने वाला बन रहा है। इस परिवर्तन के केंद्र में मोदी सरकार की ह्यस्टार्टअप

इंडियाह्ण पहल ने वाकई निर्णायक भूमिका निभाई है, जिसे भारत के आर्थिक भविष्य की एक दूरदर्शी और रणनीतिक नींव के रूप में देखा जाना चाहिए। यही वह ह्यटर्निंग पॉइंटह्ण है जहां से भारत की नई उद्यमशील पीढ़ी और नीतिगत समर्थन की कहानी आगे बढ़ी। चुनौती को अवसर में बदला दरअसल भारत आज उस निर्णायक जनसांख्यिकीय मोड़ पर खड़ा है, जहां उसकी लगभग दो-तिहाई आबादी कामकाजी आयु वर्ग में है। यही युवा शक्ति भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर भी है और सबसे बड़ी चुनौती भी। यदि यह ऊर्जा नवाचार, उद्यमिता और उत्पादन में रूपांतरित होती है तो भारत वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की क्षमता रखता है लेकिन यदि इसे सही मंच और समर्थन न मिले तो यही असंतोष और बेरोजगारी का कारण बन सकती है। इसी चुनौती को अवसर में बदलने के लिए 16 जनवरी 2016 को स्टार्टअप इंडिया मिशन की शुरूआत की गई। सरकार का उद्देश्य स्पष्ट था- नवाचार को बढ़ावा देना, उद्यमिता को संस्थागत समर्थन देना और युवाओं को एक ऐसा नीति-आधारित इकोसिस्टम उपलब्ध कराना, जहां जोखिम उठाना कमजोरी नहीं बल्कि राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया का हिस्सा बने। स्टार्टअप इंडिया की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल महानगरों तक सीमित नहीं रही।

विश्व में न्यूट्रास्यूटिकल्स का उभरता साम्राज्य, क्यों लेते हैं लोग पूरक आहार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वस्थ और संतुलित जीवन जाने की चाहत से दुनियाभर में पूरक खाद्य उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ी है। भारत में इस सेक्टर को न्यूट्रास्यूटिकल्स इंडस्ट्री कहा जाता है, जबकि अमेरिका जैसे देशों में डायटरी सप्लीमेंट्स या फूड सप्लीमेंट्स के नाम से जाना जाता है। इन उत्पादों का वैश्विक बाजार 350 अरब डॉलर से अधिक है, जिसमें औसतन 6 फीसदी की वार्षिक चक्रवृद्धि दर देखी गई है। इस सेक्टर में 25-30 फीसदी हिस्सेदारी सिर्फ अमेरिका की है। भारत ने भी 2035 तक न्यूट्रास्यूटिकल्स का 100 अरब डॉलर का बाजार विकसित करने का लक्ष्य रखा है। सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स डायटरी सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स दोनों स्वास्थ्यवर्धक पूरक खाद्य उत्पाद हैं। इनमें एकल या मल्टी-विटामिन, खनिज तत्व, जड़ी-बूटियां, प्रोटीन, अमीनो एसिड, ओमेगा-3, प्रोबायोटिक्स, प्रीबायोटिक्स और को-एंजाइम क्यू10 शामिल हैं। ये रोगों के इलाज का दावा नहीं करते, बल्कि सामान्य स्वास्थ्य को सहारा देने के लिए जाने जाते हैं। टैबलेट्स, कैप्सूल या पाउडर के रूप में इनका सेवन किया जाता है। न्यूट्रास्यूटिकल्स या पौष्टिक-औषध प्राकृतिक स्त्रोतों जैसे जड़ी-बूटियां, फल-सब्जियां, अनाज और समुद्री जीवों से प्राप्त विशेष अर्क होते हैं। ये पोषण से आगे बढ़कर स्वास्थ्य लाभ, रोगों से बचाव और स्वास्थ्य रखरखाव में सहायक माने जाते हैं। इनमें एंटीऑक्सीडेंट, पॉलीफेनॉल्स, फ्लेवोनॉइड्स, प्रोबायोटिक्स जैसे जैविक रूप से सक्रिय तत्व होते हैं। कर्क्यूमिन, रेसवेराट्रॉल, गार्लिक एक्सट्रैक्ट जैसे तत्व भी इनमें शामिल रहते हैं, जो इम्यूनिटी बढ़ाने और पुरानी बीमारियों (डायबिटीज, कैंसर, हृदय रोग) से बचाव में सहायक माने जाते हैं। इन सभी तत्वों की प्रभावशीलता को लेकर पर्याप्त चिकित्सीय शोध उपलब्ध हैं। आखिर क्यों लेते हैं लोग पूरक आहार सात देशों के 4,000 उपभोक्ताओं के सर्वे में सामने आया कि बेहतर स्वास्थ्य और संतुलित जीवन के लिए लोग सप्लीमेंट्स लेते हैं। ?हालांकि, इनके उपयोग के पीछे कारण विभिन्न देशों के अनुसार अलग हैं। जर्मनी में आहार की कमी को पूरा करने के लिए ये ज्यादा लिए जाते हैं, जबकि भारत में खास स्वास्थ्य समस्या में लाभ के लिए इनका सेवन अधिक होता है।

योगी सरकार के जीरो पावर्टी अभियान को धार देंगे यूनिवर्सिटी और कॉलेज

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार प्रदेश को गरीबी मुक्त बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके तहत योगी सरकार जीरो पावर्टी अभियान से प्रदेश के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को जोड़ने पर विचार कर रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय और कॉलेज से एमओयू साइन किया जाएगा। यह विश्वविद्यालय और कॉलेज जीरो पावर्टी अभियान के तहत चिन्हित निर्धन परिवारों के सर्वांगीण विकास के लिए 10 से 15 ग्राम पंचायतों को गोद लेंगे। इन संस्थानों के एनएसएस, एनसीसी, एमएसडब्ल्यू समेत विभिन्न कोर्स के छात्र जीरो पावर्टी परिवार के सदस्यों को आजीविका, कौशल विकास, रोजगार व सामाजिक सशक्तिकरण से जुड़े कार्यों में इन्हे जोड़ने के लिए वालंटियर्स के रूप में काम करेंगे। इसकी शुरूआत पायलेट प्रोजेक्ट के तहत सबसे पहले राजधानी लखनऊ से होगी। वहीं सफल परिणाम के बाद चरणबद्ध तरीके से पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा। प्रमुख सचिव नियोजन एवं जीरो पावर्टी अभियान के नोडल अधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत के चिन्हित परिवारों को विश्वविद्यालय, कॉलेज के छात्र आजीविका संवर्धन, कौशल विकास, रोजगार सृजन और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सर्वे करेंगे।

बिपाशा बसु ने फॉलो किया वायरल '2016' ट्रेंड

साझा कीं करण सिंह ग्रोवर के साथ शादी की तस्वीरें

इन दिनों सोशल मीडिया पर '2016' ट्रेंड वायरल हो रहा है। इसके तहत सेलेब्स भी अपनी साल 2016 से जुड़ी थ्रोबैक फोटोज साझा कर रहे हैं। हाल ही में बिपाशा बसु ने भी इस ट्रेंड को फॉलो किया। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक ट्रेंड फॉलो किया जा रहा है। इसके तहत लोग अपनी एक दशक पुरानी यानी साल 2016 की तस्वीरें साझा कर रहे हैं। इसके साथ लिखा जा रहा है, '2026 ही नया 2016 है।' तमाम फिल्मी सितारे भी इस ट्रेंड में हिस्सा ले रहे हैं। आलिया भट्ट से लेकर खुशी कपूर और करीना कपूर तक कई सेलेब्स ने अपनी साल 2016 की यादें शेयर कीं। अब बिपाशा बसु ने भी इस ट्रेंड में हिस्सा लिया है। बिपाशा ने शेयर कीं अपनी वेडिंग फोटोज बिपाशा बसु ने '2016' वायरल ट्रेंड को फॉलो करते हुए आज शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। बता दें कि साल 2016 में ही बिपाशा ने करण सिंह ग्रोवर से शादी रचाई थी। अब वायरल ट्रेंड को फॉलो करते हुए उन्होंने जो फोटोज साझा किए हैं, उनमें शादी की तस्वीरें भी शामिल हैं। इसके साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन लिखा है, '2016 जो था वह 2016 ही था'। कब हुई थी करण और बिपाशा की शादी बिपाशा और करण सिंह ग्रोवर की शादी 30 अप्रैल 2016 को हुई थी। उन्होंने अपने हालिया पोस्ट में जो यादें साझा की हैं, उनमें मानो एक्ट्रेस ने अपना वेडिंग एल्बम साझा कर दिया है। इन फोटोज में उनकी खुशी साफ झलक रही है। साल 2015 में हुई थी पहली मुलाकात बिपाशा और करण की लव स्टोरी साल 2015 में फिल्म 'अलोन' के सेट पर शुरू हुई थी, जहां वे पहली बार मिले थे। एक साल की डेटिंग के बाद इन्होंने शादी रचाई। इस कपल ने 12 नवंबर, 2022 को अपनी बेटी देवी बसु सिंह ग्रोवर का स्वागत किया। इस साल अप्रैल में कपल की शादी को दस साल पूरे हो जाएंगे। वर्क फ्रंट की बात करें तो बिपाशा बसु कुछ समय से फिल्मों से दूर हैं।

गोविंदा को माफ नहीं करूंगी पति के अफेयर पर सुनीता आहूजा का बड़ा बयान

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा अक्सर अपनी निजी जिंदगी और आपसी तालमेल को लेकर चर्चा में रहते हैं। हाल ही में सुनीता ने एक पॉडकास्ट के दौरान अपने वैवाहिक जीवन और गोविंदा के साथ अपने रिश्तों को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने बड़े ही बेबाक अंदाज में पति के कथित अफेयर्स और परिवार के प्रति उनकी जिम्मेदारियों पर सवाल उठाए हैं, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर हलचल तेज हो गई है। सुनीता ने बातचीत के दौरान गोविंदा को चेतावनी देते हुए कहा कि वह उन्हें माफ नहीं करेंगी। उन्होंने

अपने नेपाली मूल का जिक्र करते हुए मजाकिया लेकिन कड़े लहजे में कहा कि वह किसी भी गलत हरकत को बर्दाश्त नहीं करेंगी। उन्होंने पति की बेवफाई की खबरों की ओर इशारा करते हुए यह भी कहा कि इस उम्र में उन्हें ऐसी चीजों से बचकर रहना चाहिए। सुनीता के अनुसार, गोविंदा अब 63 वर्ष के हो चुके हैं और अब उन्हें अपने बच्चों के भविष्य, जैसे बेटी की शादी और बेटे के करियर पर ध्यान देना चाहिए। सिर्फ निजी रिश्ते ही नहीं, बल्कि सुनीता ने गोविंदा पर एक पिता के तौर पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि गोविंदा ने अपने बेटे यश के करियर को आगे बढ़ाने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई और न ही उसकी कोई मदद की। सुनीता ने बताया कि उन्होंने खुद गोविंदा से आमने-सामने सवाल किया कि वह अपने बेटे की मदद क्यों नहीं कर रहे हैं। इस इंटरव्यू का प्रोमो सामने आने के बाद गोविंदा एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गए हैं और अब फैंस को इंतजार है कि इन आरोपों पर खुद अभिनेता की क्या प्रतिक्रिया आती है।

10 करोड़ दो वरना मिट्टी में मिला देंगे, बॉलीवुड सिंगर बी प्राक को लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने दी जान से मारने की धमकी

मशहूर पंजाबी और बॉलीवुड गायक बी प्राक को जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने सिंगर से 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। यह धमकी भरा संदेश सीधे बी प्राक को न भेजकर उनके साथी कलाकार और गायक दिलनूर के माध्यम से पहुंचाया गया है। इस डराने वाली ऑडियो रिकॉर्डिंग के सामने आने के बाद संगीत जगत में हड़कंप मच गया है और पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। इस पूरे घटनाक्रम की शुरूआत जनवरी के पहले हफ्ते में हुई। गायक दिलनूर के पास 5 और 6

जनवरी को विदेशी नंबरों से कई बार फोन आए। शुरूआत में कॉल न उठाने और बाद में बात संदिग्ध लगने पर फोन काटने के बाद, आरोपी ने एक वॉइस मैसेज भेजा। इस मैसेज में खुद को विदेश में बैठा आरजू बिश्नोई बताते हुए उसने साफ तौर पर कहा कि बी प्राक तक यह संदेश पहुँचा दिया जाए कि उसे एक हफ्ते के भीतर 10 करोड़ रुपये चाहिए। धमकी देने वाले ने यह चेतावनी भी दी कि इसे मजाक न समझा जाए और अगर पैसे नहीं मिले, तो सिंगर या उनके करीबियों को गंभीर नुकसान पहुंचाया जाएगा। धमकी मिलने के तुरंत बाद दिलनूर ने मोहाली पुलिस को लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस को दी गई जानकारी में बताया गया कि आरोपी ने यह भी दावा किया है कि सिंगर चाहे किसी भी देश में चला जाए, वह उनके गिरोह की पहुंच से बाहर नहीं है। फिलहाल एसएसपी मोहाली के निर्देशन में पुलिस की टीमें इस फिरौती वाले कॉल और ऑडियो क्लिप की सच्चाई खंगालने में जुटी हैं ताकि आरोपियों तक पहुंचा जा सके। बता दें कि बी प्राक, जिनका असली नाम प्रतीक बच्चन है, आज भारतीय संगीत उद्योग का एक बहुत बड़ा चेहरा हैं। केसरी फिल्म के तेरी मिट्टी और शेरशाह के रांझा जैसे सुपरहिट गानों के लिए मशहूर बी प्राक ने एक संगीत निमार्ता के तौर पर अपना करियर शुरू किया था और आज अपनी भावुक आवाज के दम पर करोड़ों दिलों पर राज करते हैं। उनकी सुरक्षा को लेकर अब उनके प्रशंसक और परिवार वाले काफी चिंतित हैं।

ब्लैक लेटेक्स बिकिनी में काइली का हद से बोल्ड अवतार

व्हाइट श्रग पहन दिए कातिलाना पोज

कॉस्मेटिक्स इंडस्ट्री की दिग्गज और सोशल मीडिया सेंसेशन काइली जेनर ने एक बार फिर अपने लेटेस्ट पोस्ट से इंटरनेट पर

हलचल मचा दी है। गुरुवार को काइली ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेहद बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की, जिसमें वह अपनी दोस्त और मशहूर पॉप सिंगर चार्ली एक्ससीएक्स के साथ नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में 28 साल की काइली जेनर ब्लैक लेटेक्स बिकिनी पहने दिखाई दे रही हैं। उनके हाथ में एक मूवी क्लैपरबोर्ड है, जो इस बात का संकेत देता है कि वह अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट का प्रमोशन कर रही हैं। इस ब्लैक बिकिनी के साथ एक्ट्रेस व्हाइट श्रग पहना है और आंखों पर ब्लैक चश्मा लगाया है। कैमरे के सामने वह कातिलाना अदाएं फ्लॉन्ट करती हुई गजब पोज दे रही हैं। बता दें, यह तस्वीरें काइली की आने वाली फिल्म द मोमेंट के प्रमोशन का हिस्सा है। यह फिल्म 30 जनवरी को न्यूयॉर्क और लॉस एंजेलिस के चुनिंदा थिएटर्स में रिलीज होने जा रही है। द मोमेंट एक मॉक्यूमेंट्री स्टाइल की फिल्म है, जिसमें काइली जेनर खुद का ही किरदार निभाती नजर आएंगी।

शाहिद, तृप्ति की केमिस्ट्री ने रच दिया जादू

ओरोमियो का पहला गाना हुआ रिलीज

साजिद नाडियाडवाला की बहुप्रतीक्षित फिल्म ओरोमियो अपने दमदार टीजर के बाद से ही लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। टीजर ने जहां दर्शकों को एक गहरी, रहस्यमयी और भावनाओं से भरी दुनिया की झलक दिखाई थी, वहीं अब फिल्म का पहला गाना हम तो तेरे ही लिए थे रिलीज होते ही दिलों को छू गया है। यह गीत न सिर्फ एक प्रेम कहानी की शुरूआत करता है, बल्कि उस दर्द और तड़प को भी बयां करता है जो अधूरे और एकतरफा प्यार का हिस्सा होती है। टीजर में दिखाई गई सख्त और गंभीर दुनिया के उलट, यह गाना फिल्म के भावनात्मक पहलू को सामने लाता है। हम तो तेरे ही लिए थे एक शांत, संयमित और बेहद संवेदनशील रचना है, जो बिना ज्यादा शोर किए सीधे दिल तक पहुंचती है। यह गीत उस प्रेम की कहानी कहता है, जो शब्दों से ज्यादा खामोशियों में जीता है और जिसे महसूस किया जाता है, कहा नहीं जाता। फिल्म में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की केमिस्ट्री इस गाने की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरती है। दोनों कलाकार अपनी आंखों, हाव-भाव और सधे हुए अभिनय के जरिए ऐसी भावनाएं व्यक्त करते हैं, जो लंबे समय तक याद रह जाती हैं। उनकी प्रेम कहानी में मासूमियत भी है, पीड़ा भी और एक अनकहा ठहराव भी, जो दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ लेता है। यह एक ऐसा रिश्ता है, जो अधूरा होते हुए भी बेहद सच्चा लगता है। गाने का संगीत विशाल भारद्वाज की पहचान लिए हुए है, गहराई से भरा, गंभीर और दिल को छू लेने वाला। उनकी धुन फिल्म के स्याह और रॉ माहौल के बीच एक नाजुक भावनात्मक परत जोड़ती है। वहीं गुलजार के लिखे बोल इस गीत को एक अलग ही ऊंचाई पर ले जाते हैं। उनके शब्दों में दर्द, सादगी और मोहब्बत की वो खूबसूरती है, जो समय के साथ और गहरी होती जाती है। अरिजीत सिंह की भावपूर्ण और सधी हुई आवाज इस गीत को और भी असरदार बनाती है। उनकी गायकी में वो कसक है, जो अधूरे प्यार की याद दिलाती है और श्रोता के दिल में देर तक गूंजती रहती है। ओरोमियो की दुनिया में हम तो तेरे ही लिए थे एक भावनात्मक ठहराव की तरह आता है, जहां कठोर सच्चाइयों के बीच प्रेम की नाजुकता सामने आती है। यह गीत न सिर्फ फिल्म की

कहानी को आगे बढ़ाता है, बल्कि दर्शकों को उसके किरदारों के और करीब भी ले जाता है। साजिद नाडियाडवाला प्रस्तुत करते हैं ओरोमियो, विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी यह फिल्म नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। फिल्म का संगीत टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत किया गया है। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म वैलेंटाइन वीक में, 13 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

दगडूशेठ हलवाई गणपती मंदिर पहुंचीं रानी मुखर्जी, बोलीं- 'पिक्चर रिलीज हो या न हो, मंदिर जाना अच्छा लगता है'

'मदार्नी 3' की चर्चा के बीच अभिनेत्री रानी मुखर्जी श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपती मंदिर पहुंची हैं। इसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। रानी मुखर्जी अपनी अपकमिंग फिल्म 'मदार्नी 3' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 27 फरवरी 2026 को रिलीज होने वाली है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिस पर दर्शकों ने अच्छा रिस्पॉन्स दिया है। इस बीच रानी मुखर्जी पुणे में मौजूद श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपती मंदिर में पहुंची और दर्शन किए। उन्होंने एक बयान भी दिया है। मंदिर जाना अच्छा लगता है गणपति के दर्शन के लिए मंदिर पहुंची रानी मुखर्जी ने कहा 'मैं यहां हमेशा दर्शन के लिए आती हूं। मैं किसी भी शहर में जाती हूं तो पिक्चर रिलीज हो या न हो मुझे मंदिर जाना अच्छा लगता है। दर्शन करना अच्छा लगता है। पूणे आकर दगडूशेठ मंदिर तो आना ही है। जब मैं अइया की शूटिंग कर रही थी, तब यहां मैं दर्शन के लिए आती थी। अभी मेरी पिक्चर आ रही है। इसलिए आशीर्वाद के लिए मैं यहां आई हूं।' बप्पा के आशीर्वाद के बिना कुछ नहीं होता रानी ने आगे कहा 'मैं दुआ करती हूं कि पूरे जहां में शांति रहे। सब लोग लोग शांति से रहें। बच्चों की पीड़ा बप्पा दूर करें। जिनको मैं जानती हूं सबके जीवन में खुशियां आएं। मैं इसी की प्रार्थना करती हूं। पिक्चर का चलना न चलना दर्शकों के हाथ होता है। इस इंडस्ट्री में मैंने 30 साल काम किया है। बप्पा के आशीर्वाद के बिना ये मुम्किन नहीं होता।' विलेन की हो रही तारीफ ख्याल रहे कि हाल ही में फिल्म 'मदार्नी 3' का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इसमें रानी मुखर्जी के किरदार के साथ विलेन का किरदार निभा रही मल्लिका प्रसाद की भी काफी तारीफ हो रही है। इसमें जानकी बोडीवाला भी अहम किरदार में हैं। अभिराज मीनावाला के निर्देशन में बनी यह फिल्म 'मदार्नी' फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। दूसरी किस्त का नाम 'मदार्नी 2' है।

मंत्र भारत ग्वालियर -रविवार,18 जनवरी 2026

सड़क हादसे में लैब टेक्नीशियन की मौत

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सड़क हादसे में लैब टेक्नीशियन की मौत हो गई। टेक्नीशियन हॉस्पिटल से अपनी शिफ्ट खत्म करके घर लौट रहा था। इस दौरान अज्ञान वाहन ने टक्कर मार दी। भाई का आरोप है एक दिन पहले हॉस्पिटल में सहकर्मी से लड़ाई हुई थी। परिवार ने हत्या की आशंका जताते हुए गोमतीनगर थाने में तहरीर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। घटना गोमतीनगर इलाके में शुक्रवार देर रात हुई। गुडंबा कुर्सी रोड यूनानी हॉस्पिटल के रहने वाले रूपेश कुमार प्रजापति लखनऊ कैंसर इंस्टीट्यूट में लैब टेक्नीशियन के पद पर तैनात हैं। शुक्रवार रात को करीब 9 बजे वो हॉस्पिटल से घर को लौट रहा था। तभी समतामूलक चौराहे के पास रिंग रोड मोड पर एक अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। रूपेश टक्कर के बाद गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने उन्हें सिविल हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई प्रवेश कुमार ने बताया कि रूपेश की उसके साथ काम करने वाले गौरव सिंह से लड़ाई हुई थी। इस दौरान उसने बाहर देख लेने की और जान से मारने की धमकी दी थी। भाई का कहना है कि गौरव ने सुनियोजित तरीके से गाड़ी का एक्सीडेंट करवाया है। भाई ने गोमती नगर थाने में साथी कर्मचारियों के खिलाफ तहरीर दी है। गोमती नगर इंस्पेक्टर ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान की जा रही है। वहीं मृतक के परिवार में पत्नी रोशनी प्रजापति बेटी रवीना और वान्या है।

ईरान में विरोध शांत, इंटरनेट बंदी अब भी जारी

मौलवी ने की फांसी देने की मांग; ट्रंप को दी धमकी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में विरोध प्रदर्शनों के बाद हालात शांत हैं, लेकिन एक कट्टर मौलवी ने प्रदर्शनकारियों को फांसी देने और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धमकी दी है। वहीं मानवाधिकार संगठन मृतकों की संख्या 3,090 बता रहे हैं। ईरान में हालिया विरोध प्रदर्शनों के बाद अब सड़कों पर सन्नाटा नजर आ रहा है, लेकिन सत्ता के गलियारों में गुस्सा और सख्ती बरकरार है। शुक्रवार को एक वरिष्ठ कट्टरपंथी मौलवी ने न सिर्फ गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों को फांसी देने की मांग की, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी खुली धमकी दी। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, दिसंबर के अंत में शुरू हुए विरोध प्रदर्शन, जो पहले महंगाई और आर्थिक हालात को लेकर थे, धीरे-धीरे ईरान की धार्मिक सत्ता के खिलाफ खुली चुनौती में बदल गए। सरकार की कड़ी कार्रवाई के बाद अब तेहरान समेत देश के कई हिस्सों में जनजीवन सामान्य दिख रहा है, हालांकि इंटरनेट बंदी अब भी जारी है। अब तक 3090 लोगों की मौत अमेरिका स्थित ूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि कार्रवाई में अब तक कम से कम 3,090 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा ईरान में दशकों में हुए किसी भी आंदोलन से कहीं ज्यादा बताया जा रहा है। हालांकि ईरानी सरकार ने अब तक आधिकारिक तौर पर मृतकों की संख्या जारी नहीं की है। कट्टर मौलवी ने की सजा की चेतावनी इस बीच, शुक्रवार की नमाज के दौरान कट्टर मौलवी आयतुल्लाह अहमद खातमी ने भड़काऊ भाषण दिया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को इस्राइल और अमेरिका का एजेंट बताया और कहा कि हथियार उठाने वालों को मौत की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को भी कड़ी सजा की चेतावनी दी। दिलचस्प बात यह है कि ट्रंप ने वॉशिंगटन में बयान देते हुए कहा कि ईरान ने सैकड़ों लोगों को फांसी न देकर सही कदम उठाया है। उन्होंने इसके लिए ईरानी नेतृत्व का आभार भी जताया, जिससे संकेत मिला कि अमेरिका फिलहाल सैन्य कार्रवाई से पीछे हट सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव कम करने की कोशिशें भी तेज हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान और इस्राइल दोनों नेताओं से बातचीत की है। वहीं, कई खाड़ी देशों ने अमेरिका को चेताया है कि ईरान में सैन्य हस्तक्षेप से वैश्विक अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय स्थिरता को नुकसान हो सकता है। उधर, ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी ने आंदोलन जारी रखने की अपील की है और खुद ईरान लौटने का दावा किया है। हालांकि देश के भीतर उन्हें व्यापक समर्थन मिलता नहीं दिख रहा।

अमेरिका में भारतीय नागरिक को ढाई साल की जेल की सजा, हवाई उपकरण अवैध रूप से रूस भेजने का आरोप

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की एक अदालत ने भारतीय नागरिक को ढाई साल जेल की सजा सुनाई है। आरोप है कि भारतीय नागरिक ने उन हवाई उपकरणों को अवैध रूप से रूस भेजने की साजिश रची, जिनके लिए लाइसेंस लेना जरूरी है। अमेरिका में एक 58 वर्षीय भारतीय नागरिक को ढाई साल जेल की सजा सुनाई गई है। भारतीय नागरिक पर आरोप है कि उसने नियंत्रित हवाई उपकरण अवैध रूप से रूस भेजने की साजिश रची। इस हफ़्ते की शुरूआत में सुनाए गए फैसले में, ओरेगन डिस्ट्रिक्ट के अमेरिकी अटॉर्नी स्कॉट ब्रैडफोर्ड ने कहा कि आरोपी संजय कौशिक ने जानबूझकर और मुनाफे के लिए ये साजिश रची। आरोपी संजय कौशिक दिल्ली का निवासी है। क्या हैं भारतीय नागरिक पर आरोप अटॉर्नी ने कहा, 'यह एक सोची-समझी साजिश के तहत बनाई गई योजना थी जिसमें विदेशी साजिशकताओं के साथ तालमेल शामिल था। रूस की प्रतिबंधित कंपनियां

भी इस साजिश में शामिल थीं। आरोपी ने कई बार अपने निजी फायदे के लिए अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के लिए जरूरी सुरक्षा उपायों को कमजोर करने की कोशिश की।' आरोपी ने एक्सपोर्ट कंट्रोल रिफॉर्म एक्ट का उल्लंघन किया, जिसके लिए उसे फेडरल जेल में 30 महीने और 36 महीने की सुपरवाइज्ड रिहाई की सजा सुनाई। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल जॉन आइजनबर्ग ने इस मामले पर कहा, 'जो लोग अमेरिकी एक्सपोर्ट कंट्रोल कानूनों को चकमा देने की योजना बनाते हैं, खासकर जब इसमें मिलिट्री इस्तेमाल वाली टेक्नोलॉजी शामिल होती है - तो उन पर कानून के तहत पूरी सख़्ती से कार्रवाई की जाएगी।' कोर्ट के दस्तावेजों के अनुसार, सितंबर 2023 की शुरूआत में, कौशिक ने रूस में कंपनियों के लिए अमेरिका से गैर-कानूनी तरीके से एयरोस्पेस सामान और टेक्नोलॉजी हासिल करने की साजिश रची। कौशिक और उनके साथियों ने ओरेगन स्थित एक सप्लायर से एक एटीट्यूड एंड हेडिंग रेफरेंस सिस्टम (अल्फ़्र) खरीदा, जो विमानों के लिए नेविगेशन और फ़्लाइट कंट्रोल डेटा देता है। अल्फ़्र जैसे कंपोनेंट्स को रूस सहित कुछ देशों में एक्सपोर्ट करने के लिए वाणिज्य विभाग से लाइसेंस की जरूरत होती है।

सैन्य कार्रवाई की धमकी के बीच नरम पड़े तेवर

ईरान में 800 लोगों की फांसी रद्द, ट्रंप ने जताया आभार

वाशिंगटन (एजेंसी)। ईरान सरकार को लगातार सैन्य कार्रवाई की धमकी देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेवर नरम पड़ते नजर आ रहे हैं। शुक्रवार को ट्रंप ने ईरान में फांसी पर रोक लगाने के लिए आभार जताया है। ट्रंप ने इसे एक महत्वपूर्ण और सम्मानजनक कदम बताया है। ईरान में 28 दिसंबर के बाद से ही पूरे देश में अशांति फैली है। देश में महंगाई और खराब अर्थव्यवस्था के चलते जनता सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रही है। अमेरिका की ूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने शुक्रवार को प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या 2797 बताई इसी के साथ इस आंकड़े के लगातार बढ़ने की आशंका जताई। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो लगातार ईरान को सैन्य कार्रवाई की

धमकी देते नजर आ रहे थे, उनके तेवर में नरमी आई है। ईरान सरकार का ट्रंप ने जताया धन्यवाद डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक असामान्य कदम उठाते हुए ईरानी सरकार को धन्यवाद दिया कि उसने सैकड़ों प्रदर्शकारी कैदियों को फांसी नहीं दी, जैसा कि उन्होंने कहा था कि ऐसा होने वाला था। ट्रंप ने इसे एक महत्वपूर्ण और सम्मानजनक कदम बताया। ट्रंप ने जानिए क्या कहा? व्हाइट हाउस से फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो एस्टेट के लिए रवाना होते समय ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि ईरान में 800 से ज्यादा लोगों को फांसी दी जानी थी, लेकिन उन्होंने इसे रद्द कर दिया। मैं इस फैसले का बहुत सम्मान करता हूं। इसके बाद ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी लिखा कि 800 से अधिक लोगों को फांसी दी जानी थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। ट्रंप ने कहा कि मैं इस बात की बहुत इज्जत करता हूं कि ईरान की लीडरशिप ने कल होने वाली सभी फांसी (जो 800 से अधिक थीं) रद्द कर दी। धन्यवाद! ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब बीते कुछ दिनों से वो यह संकेत दे रहे थे कि अगर ईरान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनकारियों के दियों की हत्याएं होती हैं, तो अमेरिका सैन्य कार्रवाई कर सकता है। हालांकि अब उनके ताजा बयानों से संकेत मिल रहा है कि ईरान द्वारा फांसी टालने के फैसले के बाद अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप की संभावना कम हो सकती है। पीछे हटने को लेकर क्या बोले ट्रंप? ट्रंप ने पहले ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों को लेकर लिखा था कि मदद आ रही है। लेकिन जब उनसे शुक्रवार को पूछा गया कि क्या अमेरिका अब भी हस्तक्षेप करेगा, तो उन्होंने कहा कि देखते हैं, आगे क्या होता है। वहीं यह पूछे जाने पर कि क्या अरब और इस्राइली अधिकारियों ने उन्हें ईरान पर हमला न करने के लिए राजी किया तो ट्रंप ने जवाब दिया कि किसी ने उनको नहीं मनाया। वह खुद से ही माने हैं। उन्होंने कहा, 'कल 800 से ज्यादा फांसी तय थीं। किसी को फांसी नहीं दी गई। उन्हें रद्द कर दिया गया। इसका बहुत बड़ा असर पड़ा है। हालांकि ट्रंप यह स्पष्ट नहीं कर पाए कि ईरान में प्रस्तावित फांसियों की पुष्टि उन्हें किस स्रोत से मिली। यह भी अहम है क्योंकि उनके बयानों के बावजूद ईरान में हालात अब भी जटिल बने हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कड़ी कार्रवाई और दमन के चलते देशभर में हुए विरोध प्रदर्शन फिलहाल शांत पड़ गए हैं।

एपस्टीन फाइल्स की रिलीज पर सांसद नहीं कर सकते दखल, न्याय विभाग बोला- कांग्रेस का अधिकार नहीं

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में चर्चित जेफरी एपस्टीन ट्रैफिकिंग मामले से जुड़ी फाइलों को सार्वजनिक करने को लेकर बड़ा कानूनी घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट (DOJ) ने स्पष्ट किया है कि कांग्रेस के सदस्य एपस्टीन फाइल्स की रिलीज प्रक्रिया में अदालत के जरिए हस्तक्षेप नहीं कर सकते। न्यूयॉर्क के मैनहैटन स्थित शीर्ष संघीय अभियोजक और यूएस अटॉर्नी जे क्लेटन ने एक पत्र के जरिए कहा कि जज के पास यह अधिकार नहीं है कि वह किसी न्यूट्रल एक्सपर्ट या स्पेशल मास्टर की नियुक्ति करें, जो

एपस्टीन और गिस्लेन मैक्सवेल से जुड़े दस्तावेजों की सार्वजनिक रिलीज की निगरानी करे। दो सांसदों ने लगाए थे आरोप यह पत्र उस मांग के जवाब में भेजा गया है, जो अमेरिकी सांसद रो खन्ना (डेमोक्रेट) और थॉमस मैसी (रिपब्लिकन) ने की थी। दोनों सांसदों ने आरोप लगाया था कि एपस्टीन फाइल्स की बेहद धीमी रिलीज कानून का उल्लंघन है और इससे पीड़ितों को दोबारा मानसिक आघात पहुंच रहा है। हालांकि, जस्टिस डिपार्टमेंट ने साफ कहा कि ये सांसद इस आपराधिक मामले के पक्षकार नहीं हैं, इसलिए उन्हें अदालत से इस तरह की असाधारण राहत मांगने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। विभाग के मुताबिक, जज पॉल ए. एंगेलमेयर के पास ऐसी नियुक्ति करने का अधिकार ही नहीं है। जस्टिस डिपार्टमेंट ने संकेत दिए हैं कि वह जल्द ही अदालत को दस्तावेजों की रिलीज को लेकर प्रगति रिपोर्ट सौंपेगा। अब तक करीब 12,000 दस्तावेज जारी अमेरिकी न्याय विभाग ने यह भी बताया कि अब तक करीब 12,000 दस्तावेज जारी किए गए हैं।

14 साल की नाबालिग पर बुजुर्ग ने डाला तेजाब, पीड़िता का पड़ोसी है आरोपी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में एक बुजुर्ग व्यक्ति द्वारा 14 साल की किशोरी पर तेजाब फेंकने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी और पीड़िता के परिवार के बीच कई मुद्दों पर नाराजगी थी, लेकिन आरोपी का इतना खौफनाक कदम उठाना बड़े सवाल उठा रहा है। केरल में एक 14 साल की नाबालिग किशोरी पर बुजुर्ग व्यक्ति द्वारा तेजाब डालने की घटना हुई है। इस

घटना में पीड़िता बुरी तरह से जल गई है और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी, पीड़िता का पड़ोसी था। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने कुछ घंटे बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। क्या है पूरा मामला पुलिस ने बताया कि वायनाड में एक 14 साल की किशोरी पर उसके पड़ोसी व्यक्ति ने तेजाब डाल दिया। आरोपी की पहचान राजू जोस (53 वर्षीय) के रूप में हुई है, जो प्रियदर्शी उनाथी, पुलपल्ली इलाके का निवासी है। पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार शाम की है, जब जोस ने कथित तौर पर पीड़िता महालक्ष्मी पर तेजाब डाल दिया। पीड़िता आठवीं कक्षा की छात्रा है और आरोपी के पड़ोस में ही रहती है। पुलिस के अनुसार, दोनों पड़ोसियों के बीच कई मुद्दों पर नाराजगी थी। आरोपी ने हाल ही में पीड़ित छात्रा से उसका स्टूडेंट पुलिस कैडेट का यूनिफॉर्म मांगा था, लेकिन छात्रा ने इससे इनकार कर दिया था। इससे भी आरोपी पीड़िता से नाराज बताया जा रहा है। हमले के बाद पीड़िता को नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

बिशप फ्रैंको मुलक्कल केस में केरल सरकार ने नियुक्त किया विशेष लोक अभियोजक, जानिए पीड़ित नन ने क्या कहा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। फ्रैंको मुलक्कल बलात्कार मामले में केरल हाईकोर्ट में अपील की सुनवाई के लिए सरकार ने विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया है। इस पर पीड़ित नन ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और सरकार का आभार जताया। जालंधर के पूर्व बिशप फ्रैंको मुलक्कल के खिलाफ बलात्कार मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। पीड़ित नन ने केरल हाईकोर्ट में कानूनी कार्यवाही के लिए विशेष लोक अभियोजक की नियुक्ति पर केरल सरकार और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन का आभार जताया है। नियुक्ति की जानकीर मीडिया रिपोर्ट्स से मिली शनिवार को कुराविलंगड में पीड़ित नन ने कहा कि

उन्हें इस नियुक्ति की जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स के जरिए मिली। उन्होंने कहा कि मैं सरकार, मुख्यमंत्री, मीडिया और मीडिया कर्मियों का धन्यवाद करती हूं। समाज के कई लोगों ने भी हस्ताक्षर अभियान के जरिए हमारे समर्थन में आवाज उठाई, इसके लिए मैं सभी की आभारी हूं। किसे किया गया नियुक्त? मुख्यमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को बताया था कि वरिष्ठ अधिवक्ता बी. हरिंद्रनाथ को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया गया है और इससे संबंधित अधिसूचना जल्द जारी की जाएगी। पीड़ित नन ने बताया कि उनकी ओर से हरिंद्रनाथ को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करने का अनुरोध किया गया था। हरिंद्रनाथ ने कहा कि कई गलतियां हुईं। मुझे विश्वास है कि अपील में हमारे जीतने की अच्छी संभावना है। वरिष्ठ वकील ने आगे कहा कि पीड़ित को सह-अपराधी के रूप में देखना सही नहीं है, जैसा कि निचली अदालत में हुआ था। हरिंद्रनाथ ने एक टीवी चैनल को बताया कि अन्य लोगों के बयानों के आधार पर (अदालत द्वारा) पीड़ित की बात पर विश्वास नहीं किया गया। मुझे लगता है कि पीड़ित के साथ अन्याय हुआ है। पीड़िता ने मुख्यमंत्री से किया था अनुरोध उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने उन्हें और उनके समर्थन में खड़ी अन्य ननों को राशन कार्ड जारी किए, जिसके लिए वह राज्य सरकार की आभारी हैं। पीड़ित नन ने हाल ही में खुलासा किया था कि उन्होंने सरकार को औपचारिक अनुरोध सौंपा था और बाद में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर विशेष लोक अभियोजक की नियुक्ति की मांग की थी। इस मांग के सामने आने के बाद कानून मंत्री पी. राजीव ने कहा था कि केरल हाईकोर्ट में लंबित किसी मामले के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करने से जुड़े प्रावधानों की जांच की जाएगी। गौरतलब है कि फ्रैंको मुलक्कल को 2022 में ट्रायल कोर्ट ने इस मामले में बरी कर दिया था, जिसके बाद उन्होंने जालंधर के बिशप पद से इस्तीफा दे दिया था। पीड़ित नन ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को केरल हाईकोर्ट में चुनौती दी है, जिस पर सुनवाई जारी है।

47 लाख सोशल मीडिया अकाउंट तक बच्चों की पहुंच रद्द, मेटा ने 5.44 लाख खाते हटाए

ऑस्ट्रेलिया (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में 47 लाख सोशल मीडिया अकाउंट तक बच्चों की पहुंच रद्द कर दी गई है। इसमें मेटा ने 5.44 लाख खाते हटाए हैं। ऑस्ट्रेलिया में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया मंच के इस्तेमाल पर रोक के बाद से, सोशल मीडिया कंपनियों ने बच्चों के रूप में पहचाने गए 47 लाख खातों तक उनकी पहुंच रद्द कर दी है। सरकार के ई-सेफ्टी कमिश्नर द्वारा जारी डाटा से पता चला है कि 10 दिसंबर को प्रतिबंध लागू होने के बाद 16 साल से कम उम्र के बच्चों के खाते डि-एक्टिव कर दिए गए हैं। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने कहा, हमने उन सभी को गलत साबित कर दिया जिन्होंने कहा था कि यह संभव नहीं है। इन लोगों/संस्थाओं में दुनिया की कुछ सबसे शक्तिशाली-धनी

कंपनियां व उनके समर्थक भी शामिल हैं। वह बोले, अब ऑस्ट्रेलियाई माता-पिता आश्वस्त हो सकते हैं कि उनके बच्चे अपना बचपन वापस पा सकते हैं। 10 सोशल मीडिया मंच ने सरकार को आंकड़े दिए हैं। कुछ बच्चों के खाते अभी भी सक्रिय पीएम एंथनी अल्बनीस ने कहा, यह उत्साहजनक है कि कंपनियां प्रतिबंध का पालन कर रही हैं। लेकिन बदलाव रातों-रात नहीं होता। शुरूआती संकेत बताते हैं, बदलाव लाने के लिए जो कदम उठाए गए, वे अहम हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव का महासभा के अंतिम संबोधन में वैश्विक संकटों का जिक्र

बोले- तत्काल सुधार जरूरी

वाशिंगटन (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरस ने महासभा के अंतिम संबोधन में वैश्विक संकटों का उल्लेख किया। इस दौरान उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में तत्काल सुधार होने की बात पर जोर दिया। विश्व निकाय प्रमुख एंतोनियो गुटेरस ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधारों के लिए आगे आने को कहा। उन्होंने चेताया कि जो वैश्विक ताकतें आज विशेषाधिकारों से चिपकी रहेंगी, उन्हें भविष्य में इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत दशकों से सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग कर रहा है, जिसमें इसके स्थायी और अस्थायी दोनों वर्गों का विस्तार शामिल है। गुटेरस ने इन्हीं बातों को 193 सदस्यीय महासभा में कहा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के महासचिव ने अंतिम महासभा संबोधन में वैश्विक संकटों का उल्लेख करते हुए कहा, सुधार उन सभी वैश्विक संस्थानों में होना चाहिए जो आज की दुनिया को प्रतिबिंबित करते हों। गुटेरस

बोले, 1945 के समस्या-समाधान से 2026 की समस्याएं हल नहीं होंगी। यदि संरचनाएं हमारी वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती हैं, तो वे वैधता खो देंगी। यूएन महासचिव ने कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार उतना ही आवश्यक है, जितना कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों की शक्ति संरचनाओं को अद्यतन करना। सुधार महत्वपूर्ण नहीं अनिवार्य हैं गुटेरस ने कहा, हमारी संरचनाएं इस बदलती दुनिया को प्रतिबिंबित करना चाहिए इसीलिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय-व्यापारिक संस्थानों में सुधार न सिर्फ महत्वपूर्ण है, बल्कि यह अनिवार्य है। उन्होंने कहा, यही बात सुरक्षा परिषद पर भी लागू होती है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।